हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

गजानन महाराज के प्रकट दिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 20 फरवरी 2025 | अंक 129/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ्य से परेशान हो ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल ब्रॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअस्नेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

छत्रपति शिवाजी के किले से सभी अतिक्रमण हटाएंगे: मुख्यमंत्री फड़णवीस

पुणे.

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े किले हमारे लिए मंदिरों से भी बड़े हैं और उनके संरक्षण और संरक्षण का काम राज्य सरकार द्वारा लगातार जारी है। स्वराज्य की राजधानी रायगढ़ में विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं। इसी प्रकार शिवनेरी का भी विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी के किलों पर अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता बरती जा रही है कि कोई अतिक्रमण न हो। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने आगे कहा, 'शिवनेरी की धरती से निकली स्वराज्य की चमक के साथ हम महाराष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।' भारत के राजाओं ने मुगलों का शासन स्वीकार कर लिया था। जिस समय वे उनके सामने झुक रहे थे, माता जिजाऊ ने शिवराय को बुलाया और कहा कि भारत में मराठी देश में अनाचार और अत्याचार हो रहा है, इस देश को इससे बाहर निकालकर स्वराज्य की ओर ले जाना आपकी जिम्मेदारी है। अत: शिवराय ने तलवार हाथ में लेकर अथरपगड जाति के लोगों को एकत्र किया, मावलों की एक सेना बनाई और देव देश तथा धर्म के लिए युद्ध छेड़ दिया तथा स्वराज्य की स्थापना के लिए स्वाभिमान जागृत करने का कार्य किया।

यह बताते हुए कि छत्रपति शिवाजी महाराज की 400वीं जयंती अगले 5 वर्षों में मनाई जाएगी, फड़नवीस ने आश्वासन दिया कि हम राज्य सरकार के माध्यम से शिवनेरी क्षेत्र में विकास कार्यों को पूरा करने के लिए काम करेंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के 'व्यापक शासन' पर काम किया जा रहा है और राज्य सरकार उनके सपनों का साम्राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है; उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए और प्रयास किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से शिवनेरी, रायगढ़, प्रतापगढ़, सिंहगढ़, पुरंदर आदि किलों में विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं, किले के संरक्षण के लिए धन की कमी नहीं होगी। प्रारंभ में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शिव की जन्मस्थली पर शिव राय के महत्व को बताते हुए एक भजन गाया। इस अवसर पर जिला परिषद स्कूल के छोटे-छोटे विद्यार्थियों के समूह ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों को सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री और

उपमुख्यमंत्री ने बाल शिवाजी और मां जिजाऊ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की. इस अवसर पर सीएम के हातो पूर्व विधायक बालासाहब दांगट, डॉ. अमोल डुम्बरे, जलांदर कोर्डे और राजाभाऊ पैमोडे को शिवनेर भूषण पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री और जिला पालक मंत्री अजीत पवार, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार, विधायक शरद सोनवणे, बापूसाहेब पठारे, पूर्व विधायक अतुल बेनके, विघ्नहर फैक्ट्री के अध्यक्ष सत्यशील शेरकर, भाजपा नेता आशाताई बुचके, मराठा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष विजय घोगरे, जुन्नार तालुका अध्यक्ष गणेश महाबारे, राजेंद्र कुंजीर, जिला बैंक प्रबंधक पूजा बुट्टे, जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष पाटिल, जिला पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख, वन संरक्षक अमोल सातपुते, तहसीलदार सुनील शेलके और अन्य उपस्थित की उपस्थिति में शिवनेरी किले पर शिव जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया.

चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मुकाबले में पाक की हार

कराची. चैंपियंस ट्रॉफी के ओपनिंग मैच में न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तान को 321 रन का टारगेट दिया। बुधवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान ने बॉलिंग चुनी। न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 320 रन बनाए। पाकिस्तान ने 47.2 ओवर में 260 रन पर ऑलआउट हो गई। खुशदिल शाह 69 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें विलियम ओरूर्क ने माइकल ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। इससे पहले, शाहीन अफरीदी 14, बाबर आजम 64 रन, तैय्यब ताहिर 1, सलमान अली आगा 42, फखर जमान 24, मोहम्मद रिजवान 3 और सऊद शकील 6 रन बनाकर आउट हुए। ओरूर्क ने 3 विकेट ले चुके हैं। सैंटनर को 2 विकेट मिला। माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ ने 1-1 विकेट लिया।

पूरे महाराष्ट्र और शिवप्रेमियों का अपमान: एकनाथ शिंदे

राहुल गांधी पर भड़क गए एकनाथ शिंदे

मुंबई.

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर साल 19 फरवरी को मनाई जाती है। महाराष्ट्र समेत पूरे भारत में उन्हें आदर से याद किया जाता है। पीएम मोदी समेत विभिन्न नेताओं ने छत्रपति शिवाजी को उनकी जयंती पर नमन किया है। हालांकि, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छत्रपति शिवाजी की जयंती पर ट्वीट कर के मुश्किल में फंस गए हैं। दरअसल, उन्होंने अपने ट्वीट में छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि दी है। राहुल गांधी की इस गलती को लेकर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। छत्रपति शिवाजी की जयंती पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा- "छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अपने साहस और शौर्य से उन्होंने हमें निडरता और पूरे समर्पण के साथ आवाज़ उठाने की प्रेरणा दी। उनका जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।"

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राहुल गांधी के छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि देने पर कहा- "राहुल गांधी ने जानबूझकर ये गलती की है वह हमेशा महाराष्ट्र के महापुरुषों का अपमान करते है। वीर सावरकर का भी अपमान करते है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र और शिवप्रमियो का अपमान किया है। एकनाथ शिंदे ने आगे कहा- "स्वरा भास्कर हो या कमाल खान या राहुल गांधी जो जो महापुरुषों का अपमान कर रहे है उन सब की निंदा करता हूँ।

राहुल पर देशद्रोह का मुकदमा चले: प्रसाद लाड

राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र भाजपा के नेता प्रसाद लाड ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए राहुल गांधी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। प्रसाद लाड ने कहा- "राहुल गांधी पर देशद्रोह का अपराध चले। जब हिंदुस्तान के आराध्य देवता छत्रपति शिवाजी के जन्मदिन पर अभिवादन और आदर देने की उम्मीद है ऐसे में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि के शब्द का उपयोग करते हुए महाराष्ट्र और मराठी लोगों की अवमानना की है। राहुल गांधी को तुरंत ट्वीट वापस लेना चाहिए और महाराष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पदभार संभाला

नई दिल्ली.

देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पदभार संभाल लिया है। पदभार संभालने के साथ ही उन्होंने मतदाताओं को संदेश भी दिया है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा, 'राष्ट्र सेवा के लिये पहला कदम है, मतदान। अतः भारत के हर नागरिक, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों; उन्हें मतदाता जरूर बनना चाहिये और मतदान अवश्य करना चाहिये। भारत के संविधान, लोक प्रतिनिधित्व क़ानूनों, नियमों और उनके अन्तर्गत जारी निर्देशों के अनुरूप।

चुनाव आयोग हमेशा, मतदाताओं के साथ था, है और रहेगा।' 26 वें मुख्य चुनाव आयुक्त, देश के 26 वें मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान वे इस साल के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव, वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा, केरल, तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत

बता दें कि ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में प्रमोशन मिला है। राजीव कुमार मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से रिटायर हो गए। उनके रिटायर होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुखबीर सिंह संधू निर्वाचन आयुक्त हैं, जबकि विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया।

राहुल गांधी आज जा सकते हैं महाकुंभ

नई दिल्ली.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को महाकुंभ जा सकते हैं. कल राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर रहेंगे. रायबरेली से राहुल गांधी कांग्रेस के कुछ नेताओं के साथ महाकुंभ जाने पर विचार कर सकते हैं. हालांकि राहुल गांधी का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है लेकिन जानकारी के अनुसार इस पर कांग्रेस प्लान कर रही है. यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज महाकुंभ में संगम पर डुबकी लगायेंगे. अजय राय कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के साथ सुबह प्रयागराज के लिए निकले हैं. प्रयागराज से पहले अजय राय नाव पर सवार होकर संगम की तरफ़ जाएंगे और स्नान करेंगे.

रमजान पर मुस्लिम कर्मचारियों को मिलेगी छूट

हैदराबाद.

तेलंगाना के बाद अब आंध्र प्रदेश सरकार ने भी सभी सरकारी मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के महीने के दौरान नमाज अदा करने के लिए अपने कार्यालयों से जल्दी निकलने की अनुमति दी है। यह निर्णय कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार के इसी तरह के कदम के बाद आया है। जानकारी के अनुसार, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में रमजान के दौरान मुसलमान कर्मचारियों को जल्दी ऑफिस से जाने अनुमति देने की प्रथा काफ़ी सालों से चली आ रही है। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किए गए आदेश से भाजपा नाराज है। तेलंगाना सरकार से नाराज चल रही बीजेपी पड़ोसी आंध्र प्रदेश की टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का हिस्सा है। बीजेपी आंध्र सरकार के इस फैसले पर चुप है। आदेश के अनुसार, इस्लाम को मानने वाले सभी कर्मचारी, शिक्षक और अनुबंध, आउटसोर्सिंग के आधार पर नियुक्त व्यक्ति और ग्राम/वार्ड सचिवालय के कर्मचारी रमजान पर नमाज अदा करने के लिए अपने दफ्तर से जा सकते हैं। संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, 2 मार्च से 30 मार्च तक पवित्र रमजान महीने के दौरान सभी कार्य दिवसों पर आवश्यक अनुष्ठान करने के लिए अपने कार्यालयों या स्कूलों को बंद होने के समय से एक घंटे पहले छोड़ने का निर्देश दिया गया था। पिछले वर्षों की तरह - एक जीओ जारी कर मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के महीने के दौरान एक घंटा पहले काम छोड़ने की अनुमति देने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। इससे पहले तेलंगाना सरकार ने एक परिपत्र जारी कर मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के पवित्र महीने के दौरान एक घंटा पहले दफ्तर छोड़ने की अनुमति दी थी। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस कदम की आलोचना करते हुए आश्चर्य जताया है कि हिंदू त्योहारों के दौरान ऐसे उपाय क्यों नहीं किए जाते। भाजपा ने सरकार के इस कदम को तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया। बता दें कि भारत में रमजान का महीना शुक्रवार (28 फरवरी) से शुरू होने की उम्मीद है।

चक्रवाती हवा से बदला मौसम

13 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

कोलकाता.

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान के कारण चक्रवाती हवाएं चल रही हैं जिसके कारण मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर भारत समेत 13 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बन रहा है, जिसके प्रभाव से अगले सात दिनों तक देश के कई राज्यों में बारिश होगी और मौसम का बदला रूख दिखेगा। विभाग के मुताबिक उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बारिश और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है। देश के उत्तर-पूर्व राज्यों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती सर्कुलेशन से अगले सात बारिश का दौर जारी रह सकता है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान का असर नागालैंड और आसपास के इलाकों में 1.5 किमी की ऊंचाई पर देखा जा रहा है। इस वजह से 19 फरवरी को असम और मेघालय में भारी बारिश की संभावना है और 21 फरवरी तक पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

ममता ने जो कहा है, ठीक ही कहा: अखिलेश यादव

नई दिल्ली. ममता बनर्जी ने मंगलवार को महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बोला था और इसी पर सियासी घमासान शुरू हो गया है. उनके इस बयान को समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने सही करार दिया है. अखिलेश यादव ने कहा, 'ममता बनर्जी ने जो कहा ठीक ही कहा है. बंगाल के जिन लोगों की मौत हुई, उनका पता नहीं. लिस्ट में बंगाल के लोगों के नाम भी नहीं हैं.' वहीं दूसरी ओर ममता बनर्जी के बयान पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि 'यह मुस्लिम समर्थकों को खुश करने की कोशिश है और ममता को इसका खामियाजा भुगतना होगा.' ममता बनर्जी के इस बयान पर अब सियासत शुरू हो गई है. केवल ब्रजेश पाठक ही नहीं बल्कि केशव प्रसाद मौर्य ने भी पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि "महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहना या फिर भारतीय संस्कृति को मानने वाले करोड़ों हिंदुओं का अपमान है और इसका जवाब भी उन्हें मिलेगा. चाहे ममता बनर्जी हों या अखिलेश यादव हों... उन्हें अपने इस बयान के लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए.

'केशव कुंज' का मोहन भागवत ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नए कार्यालय 'केशव कुंज' का उद्घाटन बुधवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने किया. इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे. उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहे. नए आरएसएस कार्यालय में आधुनिक सुविधाओं के साथ पारंपरिक भारतीय वास्तुकला का संयोजन किया गया है. यह भवन करीब 5 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें टॉवर, ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, अस्पताल और एक हनुमान मंदिर भी शामिल हैं. इस भव्य इमारत का निर्माण सार्वजनिक दान से हुआ है, जिसमें 75,000 से अधिक लोगों ने अपना योगदान दिया. निर्माण कार्य में लगभग आठ साल लगे और इसकी कुल लागत करीब 150 करोड़ रुपये आई है. आरएसएस के इस नए कार्यालय को गुजरात के प्रसिद्ध वास्तुकार अनूप दवे ने डिजाइन किया है. इसमें हवादार संरचना और प्राकृतिक रोशनी की पूरी व्यवस्था की गई है. तीनों टॉवर का नाम 'साधना', 'प्रेरणा' और 'अर्चना' रखा गया है.

नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका 19 मार्च तक टली

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है. मामले का उल्लेख तीन बार किया गया- सुबह 10:30 बजे, दोपहर 2 बजे और 3 बजे. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई नहीं की. जब याचिकाकर्ताओं ने याचिकाओं के "महत्व" के बारे में बात की तो सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि हमारे लिए सभी मामले महत्वपूर्ण हैं. प्रशांत भूषण ने बेंच से इस मामले को एक असाधारण मामले के रूप में देखने का जोरदार अनुरोध किया और कहा कि केंद्र ने संविधान पीठ के फैसले का मखौल उड़ाया है. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया. एक मोड़ पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम 19 मार्च से पहले सुनवाई नहीं कर सकते.

दिल्ली की मुख्यमंत्री होंगी रेखा गुप्ता

प्रवेश वर्मा बनेंगे डिप्टी सीएम

नई दिल्ली.

बीजेपी विधायक दल की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री का नाम फाइनल हो गया है। रेखा गुप्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री बनेंगी और प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम बनेंगे। सीएम पद के ऐलान होने के बाद रेखा गुप्ता का बयान भी सामने आया।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें आशीर्वाद दिया है। पार्टी के समर्थन और आशीर्वाद के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूं। बीजेपी ने एक्स हैंडल पर भी इस बात की जानकारी देते हुए रेखा गुप्ता को बधाई दी है। बीजेपी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'श्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में प्रदेश उत्तरोत्तर प्रगति करेगा।' रेखा गुप्ता 50 साल की हैं और उनका जन्म स्थान हरियाणा के जींद जिले का नंदगढ़ गांव है।

यहां 1974 में उनका जन्म हुआ था। मिली जानकारी के मुताबिक,

आज संपन्न होगी रामलीला मैदान में 'शपथ विधि'

'बीजेपी विधायक दल की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री का नाम फाइनल हो गया है। रेखा गुप्ता दिल्ली की सीएम होंगी। वहीं प्रवेश वर्मा दिल्ली के डिप्टी सीएम होंगे।'

रेखा गुप्ता का परिवार साल 1976 में दिल्ली में शिफ्ट हो गया था। उनके पति का नाम मनीष गुप्ता है। रेखा गुप्ता ने एलएलबी किया है और वह पेशे से वकील भी हैं। रेखा गुप्ता दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से विधायक हैं।

वह भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की वंदना कुमारी को 29595 वोटों से चुनाव हराया था। प्रवेश वर्मा नई दिल्ली सीट से विधायक हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराया है। प्रवेश वर्मा ने तीन हजार से अधिक अंतर से चुनाव जीता है। प्रवेश वर्मा पूर्व मुख्यमंत्री साहेब सिंह वर्मा के बेटे हैं और सांसद भी रह चुके हैं।

जीडीपी वृद्धि 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

> एसबीआई के शोध में दावा

नई दिल्ली.

चालू वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने एक शोध में यह बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, 36 उच्च आवृत्ति संकेतकों का लाभ मिलने के कारण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अनुमानित जीडीपी वृद्धि 6.2 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, 2024-25 के लिए 'रियल' और 'नॉमिनल' जीडीपी वृद्धि दर क्रमशः 6.4 प्रतिशत और 9.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, स्वस्थ ग्रामीण अर्थव्यवस्था स्थिरता को मजबूत कर रही है और अन्य क्षेत्रों में गति बनाए रख रही है। मौजूदा घरेलू मुद्रास्फीति में मंदी उच्च विवेकाधीन खर्च को प्रोत्साहित और मांग-आधारित वृद्धि को बढ़ावा देती है। एसबीआई की शोध के अनुसार चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में पूंजीगत व्यय में सुधार दिख रहा है। भू-राजनीतिक घटनाक्रम और आपूर्ति शृंखला से जुड़ी बाधाओं के कारण कैलेंडर वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में मंदी का असर न केवल भारत बल्कि अन्य देशों पर भी पड़ा है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत अब भी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।

मंदी का असर न केवल भारत बल्कि अन्य देशों पर भी पड़ा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के हालिया वैश्विक वृद्धि पूर्वानुमान में अनुमान लगाया गया है कि मजबूत घरेलू मांग तथा सरकार की ओर से नीतिगत हस्तक्षेप से भारत की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 और आगामी वित्त वर्ष 2025-26 दोनों में 6.5 प्रतिशत रहेगी।

इंडेक्स फंड निवेशकों के लिए एक मजबूत अवसर

मुंबई.

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए एक नई निवेश योजना, डीएसपी निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स फंड शुरू करने की घोषणा की है। यह ओपन-एंडेड श्रेणी का फंड है और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स के अनुरूप अपनी चाल चलेगा। यह फंड मुख्य रूप से निजी बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों में निवेश पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा।

बैंकिंग क्षेत्र के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखने वाले निवेशक इस फंड में निवेश कर सकते हैं। यह अनूठा दृष्टिकोण चार सबसे बड़े निजी बैंकों के शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है, जिनकी सूचकांक में लगभग 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है। डीएसपी का मानना है कि निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में बड़े बैंकों का केंद्रीकरण एक सकारात्मक पहेलु हो सकता है। ग्राहक छोटे बैंकों की तुलना में बड़े बैंकों पर भरोसा करते हैं और उन्हें प्राथमिकता देते हैं।

यह धारणा इन बड़े बैंकों को ऋण वितरण में उच्च वृद्धि, पूंजी की आसान उपलब्धता और बड़े वित्तीय कारोबार जैसे कारकों के कारण बाजार में टिके रहने और और विकास हासिल करने में सक्षम बनाती है।

पिछले दो दशकों में भारतीय निजी बैंकों की बाजार हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है।* इन बैंकों ने 2001 से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है,ऐसा इसलिए है क्योंकि म्यूचुअल फंड के माध्यम से इस क्षेत्र में निवेश करने के बाद शेयरों के पुनर्संतुलन या प्राप्त लाभांश पर पूंजीगत लाभ कर लागू नहीं होता है। साथ ही, विभिन्न सूचकांकों में शामील शेयरों का वर्तमान मूल्यांकन उनके औसत स्तर से नीचे है। इससे निवेशकों को इन शेयरों में निवेश करने का आकर्षक अवसर मिलता है, यह राय डीएसपी म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर दीपेश शाह ने व्यक्त की। डीएसपी निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स फंड स्कीम ऑफर (एनएफओ) 14 फरवरी से 28 फरवरी, 2025 तक निवेश के लिए खुला है। निवेशक अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार एकमुश्त या नियमित निवेश योजना (एसआईपी) के माध्यम से इस फंड में निवेश कर सकेंगे।

सैमसंग स्टोर ने गैलेक्सी एस25 की 700 डिलीवरी से रिकॉर्ड बनाया

गुरुग्राम.

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में सैमसंग के प्रमुख स्टोर ने नए गैलेक्सी S25 सीरीज की सफलता का जश्न5 मनाया। कंपनी ने स्मालर्टफोन की जल्दे डिलीवरी शुरू करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया और 700 से अधिक ग्राहकों को यह फोन सौंपे गए।

यह रिकॉर्ड डिलीवरी बहुप्रतीक्षित स्मार्टफोन सीरीज के प्री-ऑर्डर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद हुई है। ग्राहकों की संख्या को मैनेज करने और एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए स्टोर ने स्वादिष्ट भोजन और ड्रिंक की व्यवस्था के साथ-साथ समर्पित डेटा ट्रांसफर जोन और डिवाइस एक्सचेंज काउंटर भी लगाए थे।

इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक ग्राहक को उनके नए गैलेक्सी एस25 डिवाइस की डिलीवरी लेते वक्त सर्विस का बेहतरीन अनुभव देना था।

सैमसंग बीकेसी स्टोर पर अपने गैलेक्सी एस25 डिवाइस लेने आने वाले उपभोक्ता, जेन-एआई स्मार्टफोन केस कस्टमाइजेशन, समर्पित तकनीकी विशेषज्ञों और यूनिक सेलिब्रेशन प्रोग्राम जैसी निशुल्क सेवाओं का आनंद ले सकेंगे। इसका उद्देश्य उनकी खरीदारी के क्षणों को कैद कर उन्हें खास बनाना है।

गैलेक्सी एस25 सीरीज सैमसंग की पहली स्मार्टफोन सीरीज है, जो वन यूआई 7 के साथ आती है। यह सैमसंग का एआई-फर्स्ट प्लेटफॉर्म है जिसे सबसे सहज कंट्रोल देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एआई-संचालित व्यक्तिगत मोबाइल अनुभव को सक्षम बनाता है। मल्टीमॉडल क्षमताओं वाले एआई एजेंट गैलेक्सी एस25 सीरीज को टेक्स्ट, स्पीच, इमेज और वीडियो की व्याख्या करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बातचीत नैचुरल लगती है।

गैलेक्सी एस25 सीरीज के साथ, आप अगले स्टेप्स के लिए कंटेक्ट् जे-अवेयर सुझावों के साथ एक्शनेबल सर्च को परफॉर्म कर सकते हैं।

सभी पर्सनलाइज्ड डेटा को नॉक्स वॉल्ट द्वारा गोपनीय और सुरक्षित रखा जाता है। गैलेक्सी एस25में पोस्ट-क्वॉवन्टकम क्रिप्टोग्राफी की सुविधा भी दी गई है, जो व्यक्तिगत डेटा को उभरते खतरों से सुरक्षित रखती है, जिसके क्वॉन्ट2म कंप्यूटिंग के विकास के साथ बढ़ने की संभावना है।

इल्वा मोदी की शराब मार्केट में नया कदम रखने की तैयारी

नई दिल्ली.

शराब मार्केट में भारत लगातार बेहतरी की तरफ बढ़ रहा है. इंडियन मार्केट में भारत अपने पांव जमा रहा है. इसी कड़ी में एक ऐसा ही ब्रांड है, जो भारत के प्रीमियम शराब मार्केट के 'सिंहासन' पर अपना कब्जा जमाने की तैयारी में है. गोवा से लेकर पंजाब तक इसका कारोबार फैल रहा है. आइए इस ब्रांड के बारे में विस्तार से जानते है. इस ब्रांड का नाम मोदी इल्वा है. यह एक भारतीय अल्कोहल-बेवरेज कंपनी है. इसने हाल ही में 'सिंहासन' नामक एक नई प्रीमियम व्हिस्की पेश की है. यह व्हिस्की भारत के बेहतरीन माल्ट और अनाज से बनी है. यह भारतीय शराब इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा कदम है.

ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह दुनिया-भर में हाई क्वालिटी वाली व्हिस्की बनाने की भारत की क्षमता को दिखाता है. यह पूरी तरह से स्वदेशी है. ऐसा पहली बार नहीं है कि मोदी इल्वा ने भारत के प्रीमियम शराब मार्केट में क्रांति लाया हो. इससे पहले भी "हाउस ऑफ रॉकफोर्ड" (रॉकफोर्ड क्लासिक और रॉकफोर्ड रिजर्व) ने भारतीय प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में क्रांतिकारी बदलाव लाया था. इसके अलावा "आर्टिक वोडका" ने भी भारतीय कस्टमर के बीच अपनी जगह बनाई थी. सिंहासन भारतीय व्हिस्की मार्केट में एक नया कदम रखने जा रही है. फिलहाल, यह गोवा, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के प्रमुख रिटेल स्टोर में उपलब्ध है. जल्द ही यह भारत भर में उपलब्ध होगा. सिंहासन भारत के बढ़ते क्राफ्ट्समैनशिप को दिखाता है. इसमें भारत के अलग-अलग जगहों से बेहतरीन माल्ट और बेहद स्मूथ भारतीय अनाज से बनी स्पिरिट्स का मेल है. यह इसे एक गहरे सुनहरे रंग की व्हिस्की बनाता है. इसकी खुशबू में ओक और वेनिला के संतुलित नोट्स के साथ आकर्षक बूटे का अनुभव होता है.

लग्जरी हाउसिंग में क्यों आया उछाल?

नई दिल्ली.

रोजगार, विकास और बाजार तीनों के मोर्चे पर भारतीय अर्थव्यवस्था संकट में है. बाजार के दिग्गजों से लेकर आम आदमी को महंगाई की चिंता सताए जा रही है. लेकिन इस बीच देश में लग्जरी हाउसिंग की डिमांड में उछाल आया है. देशभर में लग्जरी मकानों की जमकर बिक्री हो रही है. रिपोर्ट के मुताबिक, हाई इंडीविज्युअल नेटवर्थ वाले लोग अब लग्जरी घरों को खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं. यही वजह है कि पिछले साल देश के सात बड़े शहरों में चार करोड़ रुपये या उससे ज्यादा के घरों की बिक्री में 75 फीसदी की ग्रोथ देखी गई.लग्जरी हाऊसिंग मार्केट में इस तेजी के पीछे एनआरआई का प्रीमियम प्रॉपर्टी पर नजर होना भी है.रिपोर्ट के मुताबिक NRI की पहली पसंद करोड़ों के घर हैं. पिछले साल की पहली छमाही में भारत में आश्चर्यजनक रूप से 1,73,241 घरों की बिक्री हुई. इससे भी दिलचस्प बात ये है कि उनमें 41 फीसदी घर एक करोड़ रुपए या उससे ज्यादा के थे. इससे यह साफ होता है कि प्रीमियम रहन-सहन का चलन बढ़ रहा है. दरअसल,कोरोना ने घरों के प्रति नजरिए पर काफी बड़ा प्रभाव डाला है.यही नहीं मुंबई अल्ट्रा-लक्जरी हाउसिंग का सेंटर बना हुआ है यहाँ पिछले साल देशभर में 25 सबसे महंगी प्रॉपर्टी डील में से 21 डील हुई हैं. इन घरों की कीमत 2,200 करोड़ रुपये है.

फिर लाल निशान पर खुला शेयर बाजार

> शुरुआती गिरावट के बाद सेंसेक्स-निफ्टी की वापसी

नई दिल्ली.

घरेलू शेयर बाजार में जारी गिरावट थमने का नाम ही नहीं ने रही है। बुधवार को भी शेयर बाजार लाल निशान पर ही खुले। सेंसेक्स और निफ्टी ने भारी गिरावट के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 386.01 अंक की गिरावट के साथ 75,581.38 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी 130.45 अंक फिसलकर 22,814.85 अंक पर पहुंचा। हालांकि, बाद में सेंसेक्स-निफ्टी ने वापसी की और फिलहाल हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,786.56 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी ने बुधवार को कमजोरी के साथ कारोबार की शुरुआत की, लेकिन बाद में शेयरों की खरीदारी और विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह से इसमें थोड़ी तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 386.01 अंक की गिरावट के साथ 75,581.38 अंक, जबकि एनएसई निफ्टी 130.45 अंक फिसलकर 22,814.85 अंक पर आ गया। हालांकि, बाद में दोनों ने शुरुआती नुकसान की भरपाई की और बढ़त के साथ कारोबार करने लगे।

सेंसेक्स 134.16 अंक की बढ़त के साथ 76,120.85 अंक पर और निफ्टी 38.60 अंक चढ़कर 22,983.90 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से जोमैटो, टाटा स्टील, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, नेस्ले और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।

अब ऑनलाइन पेमेंट होगा और भी सिक्योर

नई दिल्ली.

भारत डिजिटलाइजेशन के क्षेत्र में लगातार आगे बढता जा रहा है. देश में डिजिटल पेमेंट्स में भी जबरदस्त उछाल आया है. अब डिजिटल पेमेंट में एक बड़ा बदलाव करते हुए फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए एक डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन को लॉन्च किया है. इसकी मदद से फोन पे के जरिए यूजर्स बिल पेमेंट, रिचार्ज, टिकट बुकिंग, बीमा पॉलिसी की खरीद और खरीदारी के वक्त ऑनलाइन पेमेंट और अधिक सुरक्षित तरीके से कर सकते हैं. इससे ऑनलाइन फ्रॉड भी कम होगा और पेमेंट करना भी और आसान होगा.

डिवाइस बेस्ड टोकेनाइजेशन पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, टोकेनाइजेशन का मतलब अपने क्रेडिट या डेबिट कार्ड के डिटेल को एक टोकन से रिप्लेस करना है. डिवाइस टोकेनाइजेशन एक ऐसा सिक्योर मेथड है, जिसकी मदद से आपके क्रेडिट या डेबिट कार्ड डिटेल को एक यूनिक टोकन में बदल दिया जाता है. इसी के साथ जिस डिवाइस से जेनरेट किया गया है उसी डिवाइस पर यह टोकन वैलिड होगा. इससे फ्रॉड और डेटा लीक होने के खतरे कम हो जाते हैं और पेमेंट भी सिक्योर रहता है. फोनपे के टोकेनाइजेशन से ट्रांजैक्शन तेज होगा. इससे चेकआउट ड्रॉपऑफ कम होगा. साथ में यूजर्स को हर बार अपने कार्ड डिटेल को डालने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी. साथ ही एंटर किए बिना ही पेमेंट सक्सेस रेट बढ़ेगा. इससे कारोबारियों को टोकेनाइज्ड कार्ड के बढ़ते नेटवर्क का भी फायदा उठाने में मदद मिलेगी. पहले चरण में फोनपे ने टोकेनाइजेशन की सुविधा वीजा क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए शुरू की. बाद में मास्टरकार्ड, रूपे और अमेरिकन एक्सप्रेस जैसे अन्य कार्ड नेटवर्क भी इसमें शामिल किए जाएंगे.

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज किया

नई दिल्ली.

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट लिमिटेड ने पशु विकास दिवस के अवसर पर सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। इस आयोजन में देशभर के 6 स्थलों पर 517 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन देश का सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर था, जिसमें 16 राज्यों के 500 स्थलों पर 1,90,000 लाभार्थियों को लाभ मिला।

कंपनी ने इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन में पशुओं के महत्व को उजागर किया। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के सीईओ श्री शांतनु मित्रा ने इस उपलब्धि को कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समाज कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। कंपनी के सीओओ स्वामिनाथन सुब्रमण्यम ने कहा, ''गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करना हमारे लिए गर्व की बात है और यह ग्रामीण कल्याण के लिए हमारे समर्पण को प्रमाणित करता है। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने पहले भी कई रिकॉर्ड्स स्थापित किए हैं और इसे पशु देखभाल के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

इन स्टॉक्स में दिख रही है प्रॉफिट की संभावना

नई दिल्ली.

शेयर बाजार की हालत बहुत खराब है. निवेशकों का लगातार नुकसान हो रहा है. निराशा के इस आलम के बीच यह सूझ नहीं रहा है कि किस कंपनी के स्टॉक्स में पैसा लगाएं जो गोता लगाते शेयरों के नुकसान को थामकर मुनाफे की उछाल दे. शेयर बाजार का कोई भी पंडित इस बारे में पक्का सलाह नहीं दे सकता है. फिर भी डिमांड को देखते हुए कुछ शेयरों के बारे में ऐसा कहा जा सकता है कि वे 2025 के बाजार में नई उड़ान भर सकते हैं.

शेयर बाजार के दिग्गजों का मानना है कि यह वक्त स्मॉल और मिड कैप शेयरों पर दांव लगाने का है. फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आर्कियन केमिकल्स के शेयरों में फिर से उछाल आ सकती है. इंडस्ट्रियल साल्ट, ब्रोमीन और सल्फेट बनाने वाली यह कंपनी ग्लोबल प्रेजेंस रखती है. इसके प्रॉडक्ट की मार्केट में डिमांड भी है. इसी तरह नुवाना वेल्थ भी भारत के फाइनेंस सेक्टर की एक बड़ी खिलाड़ी है. कई फाइनेंशियल प्रॉडक्ट के जरिए इसके शेयर भी उछाल ले सकते हैं. कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के लीडिंग प्लेयर में से एक आहलुवालिया कंस्ट्रक्शन के शेयरों में भी शेयर एनालिस्ट 2025 में काफी संभावना देख रहे हैं.सेलो वर्ल्ड के डायवर्स पोर्टफोलियो में निवेश कर भी निवेशक मालामाल हो सकते हैं. यह कंपनी कई कैटेगरी के होम अप्लायंसेज बनाती है, जिसकी मार्केट में काफी डिमांड है. इंडिया के हेल्थकेयर सेक्टर का बड़ा नाम विजया डायग्नोस्टिक में भी शेयर के जानकार अच्छी संभावना देख रहे हैं.

यह कंपनी हाई क्वालिटी डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करती हैं, जिसकी बाजार में काफी डिमांड है. इसलिए आने वाले दिनों में शेयर बाजार में इस कंपनी को अच्छी संभावना के तौर पर देखा जा रहा है. इसलिए निवेशक इस कंपनी के शेयर पर भी नजर टिका सकते हैं.

किसानों की 19वीं किस्त के लिए ई-केवाईसी जरूरी

नई दिल्ली.

किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए भारत सरकार ने 2019 में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी. ऐसे में,अन्नदाताओं के लिए अच्छी खबर है पांच दिन बाद उनके खातों में 19वीं किस्त के 2000 रुपये आ जाएंगे. पीएम मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पैसे किसानों के खाते में डालेंगे. वहीं, 18वीं किस्त 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र के वाशिम से प्रधानमंत्री द्वारा जारी की गई थी.

सरकार अब तक 18 किस्तें जारी कर चुकी है. तब 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 20,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए थे. इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है. तीन किस्तों में 2-2 हजार रुपये किसानों के बैंक खातों में डाले जाते हैं.

आपकी जानकारी के लिए बता दें, कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है. आप पीएम किसान की वेबसाइट से घर बैठे ही अपने स्मार्टफोन से ई-केवाईसी कर सकते हैं.

ओटीपी भरते ही प्रक्रिया पूरी हो जाएगी

इसके लिए आपको http://pmkisan.gov.in वेबसाइट पर जाना होगा. यहां पर आपको फार्मर कॉर्नर लिखा नजर आएगा. इसके नीचे आपको ई-केवाईसी का ऑप्शन नजर आएगा. इस पर आपको क्लिक करना होगा. फिर आपको अपना आधार नंबर दर्ज करना होगा। ऐसा करने पर आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आ जाएगा। ओटीपी भरते ही आपकी ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | महाराष्ट्र सह्याद्री | विजयालक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत वेळ 4:30 वाजता

सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 08 • तिकीट कि. रु. 15/- • सोडत दिनांक 19/02/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 10000/- : SV-06 : 4816

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- : 4928 — किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- : 3017 | 5474 हरी श्री लॉटरी सेंटर, नालासोपारा | 5813 श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1392	2786	4045	4791	5501
1613	3298	4329	4841	5544
1685	3392	4361	4849	5545
1768	3552	4400	4912	5583
2345	3664	4594	4926	5675
2429	3713	4641	5185	5757
2486	3832	4692	5405	5818
2642	3885	4703	5419	5885

महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत | सोडत दिनांक 21/02/2025 | ₹50 लाख (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) | ₹10 लाख | ₹5 लाख

महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी | सोडत दिनांक 19/02/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | महाराष्ट्र गजलक्ष्मी | बुध विकली लॉटरी | सोडत वेळ 4:45 वाजता

सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 08 • तिकीट कि. रु. 20/- • सोडत दिनांक 19/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	2696	2937	6992	3049	3761

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- : 2831 | 6936

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- : 1115 | 1203 | 2457 | 6975 | 9471

चौथे बक्षिस रु. 1000/- : 0140 | 0790 | 2166 | 2309 | 3647 | 4422 | 5232 | 5618 | 5927 | 7972

पाचवे बक्षिस रु. 500/- : 0488 | 1884 | 3129 | 4676 | 6718 | 7566 | 7579 | 7682 | 9470 | 9594

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	1108	1822	2322	3328	4112	5215	6327	7377	7900	8999
	1116	1827	2503	3333	4224	5285	6358	7409	8146	9019
0076	1130	1861	2661	3349	4230	5289	6369	7430	8240	9035
0088	1193	1871	2672	3355	4301	5385	6406	7476	8422	9044
0089	1203	1911	2680	3366	4314	5470	6511	7497	8445	9068
0102	1361	1951	2702	3371	4343	5521	6574	7537	8490	9100
0202	1404	2052	2785	3372	4346	5553	6607	7540	8529	9149
0206	1416	2137	2902	3408	4462	5563	6632	7573	8535	9345
0230	1438	2152	2925	3478	4468	5704	6652	7583	8568	9389
0277	1445	2192	2947	3483	4484	5761	6673	7599	8609	9475
0310	1473	2205	3039	3508	4609	5773	6752	7673	8689	9562
0344	1519	2216	3051	3533	4662	5896	6855	7702	8750	9633
0436	1604	2224	3066	3583	4720	6046	6890	7739	8791	9653
0532	1615	2239	3083	3599	4768	6061	6926	7749	8804	9840
0543	1621	2247	3140	3723	4841	6106	7171	7758	8807	9879
0570	1644	2255	3218	3726	4843	6135	7227	7779	8817	9892
0775	1661	2261	3226	3793	5041	6259	7260	7876	8828	9946
0777	1677	2262	3253	3857	5154	6266	7276	7889	8865	9978
0888	1699	2320	3309	4093	5185	6319	7337	7897	8888	9982

महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत | सोडत दिनांक 25/02/2025 | ₹14 लाख | ₹2.5 लाख | ₹20/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी बुध | सोडत दिनांक 19/02/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

सूखा प्रभावित क्षेत्र के किसानों को मिलेगी राहत

सरकार ने कैबिनेट की बैठक में लिए अहम निर्णय

मुंबई.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।
इनमें कुछ निर्णयों से सांगली, सोलापुर और जलगांव के किसानों को भारी राहत मिलेगी। कैबिनेट ने म्हैसाल उपसा सिंचाई योजना की ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए सौर ऊर्जा परियोजना के लिए 1,594 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। इस योजना से सूखा प्रभावित क्षेत्रों में 1 लाख 8 हजार 197 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसी तरह जलगांव जिले के चालीसगांव तालुका में वरखेडे लोंढे (बैराज) मध्यम परियोजना के लिए 1,275 करोड़ 78 लाख रुपए के प्रावधान को मंजूरी दी गई। चालीसगांव, भड़गांव तालुका में 8 हजार 290 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सिंचाई सुविधा मिलेगी। तो वहीं पुणे के एरंडवाना में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल को मात्र 1 रुपए के मामूली शुल्क पर सरकारी जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। मंत्रिमंडल की बैठक में कृष्णा-कोयना उपसा सिंचाई योजना के अंतर्गत म्हैसाल उपसा सिंचाई योजना के लिए सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने तथा योजना की ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने का निर्णय लिया गया। दावा है कि इससे लगभग 398 मिलियन यूनिट की वार्षिक बिजली की आवश्यकता पूरी होगी। बैठक में जलगांव जिले में वरखेड़े लोंढे (बैराज) की मध्यम आकार की परियोजना के लिए 1,275 करोड़ 78 लाख रुपए के संशोधित प्रावधान को मंजूरी दी गई। यह परियोजना तापी सिंचाई विकास निगम, जलगांव, वरखेड़े गांव के अंतर्गत गिरना नदी पर स्थित है। इस परियोजना की जल भंडारण क्षमता 35.587 डीएलएचएम है तथा उपयोग योग्य जल भण्डारण क्षमता 34.772 डीएलएचएम होगी। यह बैराज परियोजना चालीसगांव और भड़गांव तालुकाओं में 8,290 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी। ट्रस्ट ने इन दोनों संपत्तियों के बीच के नाले पर पुल बनाने के लिए 795 वर्ग मीटर जगह की मांग की थी। तदनुसार, इस भूमि को 1 रुपए प्रति वर्ग फुट की नाममात्र दर पर पट्टे पर देने की स्वीकृति दी गई। संबंधित ट्रस्ट नहर पर पुल के निर्माण की लागत वहन करेगा। इस पुल से मरीजों, मरीजों के रिश्तेदारों, एम्बुलेंस, मरीजों के रिश्तेदारों के वाहनों तथा ट्रस्ट के संबंधित चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को आवागमन में सुविधा होगी।

राज्य में रोप-वे कार्य को मंजूरी

बैठक में राज्य सरकार के माध्यम से 16 और राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के माध्यम से 29 सहित (कुल 45) रोपवे के कार्य को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। रोपवे कार्यों के लिए एनएचएलएमएल को 30 वर्ष के पट्टे पर आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई है।

सूखाग्रस्त क्षेत्रों को सिंचाई के लिए उपलब्ध होगा पानी

कृष्णा कोयना उपसा सिंचाई परियोजना में दो अलग-अलग उपसा सिंचाई योजनाएं, ताकारी और म्हैसल शामिल हैं। सिंचाई योजना का उद्गम कृष्णा नदी पर म्हैसल में होगा। यहां से विभिन्न चरणों में उठाया जाने वाला पानी सांगली जिले के मिरज, कवठे महांकाल, तासगांव, जाट और सोलापुर जिले के सांगोला और मंगलवेढ़ा तालुका के 1 लाख 8 हजार 197 हेक्टेयर सूखाग्रस्त क्षेत्रों को सिंचाई के लिए उपलब्ध हो सकेगा।

प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

मुंबई. महाराष्ट्र सहित देश भर में महान मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बुधवार को मनाई गई और देश और धर्म के लिए उनके योगदान को याद किया गया. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिव जयंती के पावन अवसर पर गगनभेदी गर्जना हुई

मुंबई.

शिवाजी महाराज का नाम लेते ही सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। महाराष्ट्र की धरती का यह शेर इतना मशहूर है कि उसकी 395वीं जयंती पर भी सिर्फ उसका ही नाम लिया जा रहा है। एक ऐसा वीर जिसने किले-किले हिला दिए, शेर की तरह निडर, बहादुरी, पराक्रम और दूरदर्शिता की एक सफल कहानी, छत्रपति शिवाजी महाराज महान साहस और दूरदर्शिता के व्यक्ति हैं। शिवाजी की जयंती 19 फरवरी को पूरी दुनिया में मनाई जाती है। इस समय शिव गर्जना का गौरव गान किया जाता है। शिवाजी की छवि हर मराठी व्यक्ति के दिल में हमेशा के लिए संरक्षित है और इस लेख में हम शिवाजी की गर्जना के बारे में जानेंगे, जो हमें लगातार अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करती है और इस शिवाजी के लिए प्रेरणा है जो स्वराज्य के लिए दिन-रात लड़ता है। जब शिवाजी की सेना युद्ध पर निकली तो 'हर हर महादेव! जय भवानी! जय शिवाजी!' कहा जा रहा है कि ऐसी घोषणा होनी चाहिए। आज भी शिवाजी की शक्ति प्राप्त करने के लिए कोई कार्य प्रारंभ करते समय यह उद्घोषणा और गर्जना की जाती है।
एक साथ यह नारा सुनने से शिवसैनिकों को एक नई ताकत मिलती है और उपलब्धि का अहसास होता है। इनमें से प्रत्येक शब्द आपके सीने को भर देता है और इनमें से प्रत्येक शब्द का एक अलग अर्थ है जो आपको दहाड़ने पर मजबूर कर देता है। आपको यह समझने की जरूरत है कि इस दहाड़ का वास्तव में क्या मतलब है। यह गर्जना, जो हिन्दू स्वराज्य की पहचान का प्रमाण है, अपने सम्पूर्ण अर्थ के साथ सदैव हमारे हृदय में रहेगी।

ये लड़ाई अब मैं लड़ूंगी

देशमुख परिवार से सुप्रिया सुले का वादा

मुंबई.

बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले भी कूद पड़ी हैं। सुप्रिया ने अपनी पार्टी के विधायक जितेंद्र आव्हाड के साथ संतोष देशमुख के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। देशमुख परिवार से मिलने के बाद सुप्रिया सुले ने खुद लड़ाई लड़ने का प्रण लेते हुए देशमुख परिवार को न्याय दिलाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि बीड के नागरिकों से कहा कि अब से बीड में किसी पर भी हमला होता है तो मुझे फोन करें। संतोष देशमुख हत्या मामले में 2 महीने बीतने के बाद भी एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। जबकि इस मामले में मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे का मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया के अब तक के प्रयास बेकार साबित हुए हैं। वहीं प्रकरण को अब तक आगे बढ़ाने वाले बीजेपी विधायक सुरेश धस की विश्वसनीयता मंत्री धनंजय मुंडे से गुप्त मुलाकात के बाद खत्म हो गई है। ऐसे में सुप्रिया की देशमुख परिवार से मुलाकात के बाद राज्य की राजनीति फिर से गरमाने लगी है। संतोष देशमुख की मां सहित पूरा परिवार सांसद सुप्रिया सुले के सामने फूट-फूट कर रो पड़ा।
उन्होंने सुप्रिया सुले से कहा कि वे बहुत खुश थे लेकिन अब उबरना मुश्किल हो गया है। देशमुख परिवार ने सांसद सुले से न्याय और सुरक्षा दिलाने की मांग की। इस मौके पर सुप्रिया ने कहा कि अपने बच्चे को खोना, एक मां के लिए सबसे बड़ा दुख होता है। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीति का मुद्दा नहीं है। हमें एक इंसान के तौर पर इस मामले में न्याय सुनिश्चित करना होगा। 69 दिन हो गए हैं। लेकिन पीड़ित परिवार को अभी तक कोई न्याय नहीं मिला है। मैं एक इंसान के तौर पर यह लड़ाई लड़ूंगी। सुप्रिया सुले ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हम महाराष्ट्र में मानवता भूल गए हैं। देवेंद्र फडणवीस राज्य के मुख्यमंत्री बन गये हैं। मुझे लगा था मुख्यमंत्री से पीड़ित परिवार की मुलाकात के बाद 8 दिन में न्याय मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि अब मैं मुख्यमंत्री से समय मांगूंगी और झोली फैलाकर न्याय मांगूंगी।

डैमेज कंट्रोल के लिए उद्धव ने किया मंथन शुरू

मुंबई.

शिवसेना में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुई ऐतिहासिक बगावत के बाद से शुरू हुआ उद्धव ठाकरे को झटका लगने का सिलसिला विधानसभा चुनाव 2024 के बाद भी जारी है। हाल ही में कोकण में उद्धव के विश्वसनीय सहयोगी रहे राजन सालवी पाला बदल कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में चले गए थे। तो वहीं मुंबई में जितेंद्र जानवले ने सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) छोड़ने की घोषणा की थी। नगरसेवक व अन्य छोटे-मोटे पदाधिकारियों का यूबीटी छोड़ना लगभग रोज की ही बात हो गई है। लेकिन इस भगदड़ को रोकने के लिए अब पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी मैदान में उतरने को तैयार हो गए हैं। मंगलवार को उन्होंने इसी सिलसिले में शिवसेना भवन में पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में उन्होंने पार्टी को फिर से मजबूत बनाने तथा भगदड़ रोकने के लिए रोडमैप पर चर्चा की।
पदाधिकारियों की शिकायतों को दूर करने के लिए उद्धव ने अब हर मंगलवार को बैठक करने का निर्णय लिया है। उद्धव ठाकरे तक पदाधिकारियों की पहुंच संभव नहीं होना शिवसेना (यूबीटी) में भगदड़ का सबसे बड़ा कारण बना है। पार्टी छोड़ने वाले एकनाथ शिंदे सहित सभी नेता एक ही आरोप लगाते रहे हैं कि उद्धव उनसे मिलते नहीं। संजय राउत, सुभास देसाई, अनिल देसाई, विनायक राउत, अनिल परब, मिलिंद नार्वेकर आदि करीबी नेता पार्टी के बारे में उद्धव को भ्रमित करके पार्टी को डुबो रहे हैं।
ऐसे में अब डैमेज कंट्रोल के लिए उद्धव ने मंथन शुरू कर दिया है। शिवसेना भवन में ठाकरे गुट की बैठक संजय राऊत, अंबादास दानवे, अनिल देसाई, विनायक राऊत, अनिल परब जैसे महत्वपूर्ण नेताओं की मौजूदगी में उद्धव ने कोकण सहित राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करने तथा नए लोगों को पार्टी में जोड़कर संगठन को फिर से खड़ा करने का प्रण लिया। इतना ही नहीं उन्होंने अब से हर मंगलवार को बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया है। ऐसा माना जा रहा है कि आगामी मनपा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव ठाकरे अब संभल कर कदम आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बर्खास्त लेफ्टिनेंट कर्नल की सजा की पुष्टि की

मुंबई.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पोक्सो एक्ट के तहत एक बर्खास्त लेफ्टिनेंट कर्नल को 11 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न और यौन शोषण के मामले में पांच साल की कैद की सजा बरकरार रखी है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की बेंच ने सोमवार को कहा, 'पीड़िता-नाबालिग लड़की का बयान विश्वास जगाता है... बैड टच को पहचानने की उसकी सहज प्रवृत्ति पर विश्वास किया जाना चाहिए। उन्होंने जनवरी 2024 के आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल मुंबई के आदेश के खिलाफ पूर्व सेना अधिकारी की अपील को खारिज कर दिया। मार्च 2021 में जनरल कोर्ट मार्शल द्वारा दी गई न्यूनतम पांच साल की जेल की सजा की पुष्टि की थी। उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की भी सजा सुनाई गई थी। जनवरी 2024 में, बॉम्बे हाई के एक जज ने आदेश पर रोक लगा दी थी। 1 फरवरी 2020 को पुणे में लेफ्टिनेंस कर्नल को पोस्टिंग मिली थी। जॉइन करने के एक दिन बाद, लेफ्टिनेंट कर्नल ने एक हवलदार को अपने दो बच्चोंको हस्तरेखा दिखाने के लिए बुलाया। हवलदार अपने बेटे और बेटी के साथ पहुंचा। उसने हवलदार को एक पेन लाने के लिए भेजा। पिता कमरे से बाहर चला गया, उसके बाद बेटा भी। दो मिनट बाद, हवलदार वापस आया और उसने अपनी बेटी को रोते हुए पाया।
बर्खास्त अधिकारी की याचिका में कहा गया है कि उसका कोई बुरा इरादा नहीं था और उसने केवल पिता या दादा के स्नेह के कारण युवा लड़की से किस का अनुरोध किया था। हाई कोर्ट केंद्र सरकार के वकील की इस बात से सहमत था कि चिकित्सा परीक्षण की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि पीड़िता को कोई शारीरिक चोट नहीं आई थी, लेकिन अनुचित स्पर्श के कारण यौन उत्पीड़न हुआ था, साथ ही चुंबन का अनुरोध भी किया गया था।

15 वर्षीय लड़की ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुंबई.

अमरावती जिले के नांदगांव पेठ थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. शनिवार सुबह 15 वर्षीय एक लड़की ने अपने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली. पुलिस को पहले यह एक सामान्य आत्महत्या का मामला लगा, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद बड़ा खुलासा हुआ. रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. जानकारी के मुताबिक, मृतक लड़की पिछले कुछ वर्षों से अपने माता-पिता के बिना अपने रिश्तेदारों के साथ नांदगांव पेठ थाना क्षेत्र के एक गांव में रह रही थी. उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी थी, जिसके चलते वह रिश्तेदारों पर निर्भर थी. 15 फरवरी को जब वह घर में अकेली थी, तब उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें लड़की ने किसी पर भी सीधा आरोप नहीं लगाया. लेकिन उसने लिखा कि वह इसलिए आत्महत्या कर रही है क्योंकि उस पर संदेह किया जा रहा था. इस सुसाइड नोट से संकेत मिलता है कि लड़की मानसिक दबाव में थी. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि लड़की गर्भवती कैसे हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है.

नासिक जेल में रहेगा आतंकी मिर्जा हिमायत बेग

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने साल 2010 के पुणे की जर्मन बेकरी विस्फोट मामले में दोषी हिमायत बेग को राहत देने से इनकार कर दिया है। बेग को पिछले 12 साल से नासिक जेल में एकांतवास में रखा गया है। जिसके खिलाफ बेग ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बेग ने दावा किया था कि एकांतवास का उसकी मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, इसलिए उसे वहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। मगर जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने बेग को कोई राहत देने से मना कर दिया। बेंच ने कहा कि बेग के मनोवैज्ञानिक आघात के दावे में दम नहीं दिखता। लिहाजा फिलहाल यह चिंता का विषय नजर नहीं आता। जहां तक बात बेग को जेल में काम सौंपने की है, तो इस संबंध में जेल नियमों के तहत निर्णय किया जाए। इससे पहले सरकारी वकील ने कहा था कि गंभीर अपराध (जैसे ब्लास्ट) के दोषियों को दूसरे आरोपियों से अलग रखा जाता है। जेल में एकांतवास की व्यवस्था नहीं है। बेग ने 2018 में नासिक रोड सेंट्रल जेल के माध्यम से एक पत्र लिखा। उसने अपने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की आजीविका में योगदान देने के लिए काम देने का आग्रह किया।

बीईएसटी की बसों का किराया दुगुना करने की तैयारी

मुंबई. बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट मुंबई में एसी और नॉन-एसी बसों के किराए में बढ़ोतरी पर विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी कि यह प्रस्ताव सरकार की मंजूरी के बाद ही लागू किया जाएगा और फिलहाल इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, बीईएसटी के नए महाप्रबंधक एस.वी.आर. श्रीनिवास, जो अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं, ने पिछले सप्ताह सभी बस परिचालन और लंबित मांगों की समीक्षा की, जिसमें किराया वृद्धि का मुद्दा भी शामिल था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम भविष्य में बीईएसटी के लिए टिकाऊ राजस्व मॉडल के रूप में यदि आवश्यक हुआ, तो किराया वृद्धि पर विचार करेंगे। बीईएसटी परिवहन विभाग के सूत्रों के अनुसार, साधारण (नॉन-एसी) बसों के लिए न्यूनतम किराए को ₹10 और एसी बसों के लिए ₹12 तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। वर्तमान में 5 किमी यात्रा के लिए साधारण बस का न्यूनतम किराया ₹5 और एसी बस के लिए ₹6 है। किराया बढ़ोतरी के प्रस्ताव का विरोध हो रहा है। कुछ महीने पहले शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने ट्वीट कर कहा था कि पहले ही बसों की संख्या घटा दी गई है, बस स्टॉप को विज्ञापन बोर्ड में बदल दिया गया है। फिर किराया वृद्धि क्यों? हमने बीईएसटी किराए को दुनिया में सबसे किफायती रखा था और फिर भी बेड़े का विस्तार कर 10,000 इलेक्ट्रिक बसें लाने की योजना बनाई थी।

मीनारा मस्जिद के नए ट्रस्टी की नियुक्ति पर विवाद

मुंबई. राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा शहर की सबसे महत्वपूर्ण मस्जिदों में से एक मीनारा मस्जिद के प्रबंधन को संभालने के लिए एक नए बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की नियुक्ति को मंजूरी को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है. मुस्लिम समुदाय और समाजवादी पार्टी सहित राजनीतिक दलों ने इस फैसले की निंदा की है और आगामी विधानसभा के बजट सत्र के दौरान यह मुद्दा उठने के साथ ही बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख करने की बात कही है. नेताओं ने वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुनैद सईद की आलोचना करते हुए आशंका जताई है कि भविष्य में अन्य मस्जिदों में भी इस तरह की मनमानी कार्रवाई हो सकती है. यह घटनाक्रम केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया गया है. सपा विधायक अबू आसिम आज़मी ने इस मुद्दे को उठाया. ऐसे में माना जा रहा है कि वे महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी बजट सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाएंगे और बॉम्बे हाईकोर्ट का भी रुख करेंगे.
आजमी ने कहा कि मुंबई में एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी मीनारा मस्जिद में नए गैर मेमन समुदाय के ट्रस्टी की नियुक्ति एक अवैध आदेश है और यह ट्रस्ट डीड का उल्लंघन करता है. यह पूरी तरह से मनमाना आदेश है क्योंकि यह मौजूदा ट्रस्टियों की सुनवाई किए बिना आया है और गैर मेमन को ट्रस्ट में नियुक्त नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि मीनारा मस्जिद ट्रस्ट एक ट्रस्ट है जिसकी स्थापना वर्ष 1879 में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा बनाई गई योजना के तहत की गई थी. इसके बाद, महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के अधिनियमन के बाद ट्रस्ट को बॉम्बे चैरिटी कमिश्नर को हस्तांतरित कर दिया गया. तब से ट्रस्ट महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के अनुसार संचालित किया जा रहा है और यह इंग्लिश ट्रस्ट की प्रकृति का है और इसलिए राज्य वक्फ बोर्ड के पास ऐसा आदेश पारित करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है. उन्होंने कहा कि वर्तमान ट्रस्टियों के खिलाफ यह आरोप है कि उन्होंने 83 संपत्तियों को अवैध रूप से बेचा है जो पूरी तरह से झूठा है. हालांकि ट्रस्टियों ने अपने चॉल के 83 किरायेदारों से सहमति ले ली है और सक्षम अधिकारियों से आवश्यक एनओसी प्राप्त करने के बाद उक्त चॉल को विकसित करने के इच्छुक हैं.

आज का राशिफल

मेष : आज मेष राशि वालों को सावधान रहना चाहिए। नौकरी में ध्यान से काम करें और बिजनेस में निर्णय सोच-समझ कर लें। मानसिक तनाव हो सकता है। यात्रा पर जाने का योग है।

वृषभ : आज वृषभ राशि वालों के लिए मुनाफे का दिन है। बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, लेकिन खर्च कम करें। निवेश के लिए अच्छा दिन है और संपत्ति खरीदने का योग है। नौकरी में अच्छा रहेगा।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए भी मुनाफे वाला दिन है। बिजनेस में अच्छा मुनाफा हो सकता है। खर्च पर ध्यान दें और निवेश के लिए अच्छा समय है। वाहन चलाते समय सतर्क रहें।

कर्क : कर्क राशि वालों का दिन ठीक-ठाक रहेगा। बिजनेस में बिना सोचे-समझे निर्णय न लें। नौकरी में सराहना मिल सकती है। परिवार का साथ मिलेगा और यात्रा का भी योग है।

सिंह : सिंह राशि वालों का दिन मिलाजुला रहेगा। ऑफिस में जिम्मेदारी बढ़ सकती है। मन शांत रखें और रिश्तों को वक्त दें। सेहत भी अच्छी रहेगी।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए खास दिन है। डर पर काबू रखें और रुके काम पूरे होंगे। बिजनेस में मुनाफा होगा और परिवार का साथ मिलेगा। यात्रा का भी योग है।

तुला : तुला राशि वालों के लिए दिन खास रहेगा। दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। बिजनेस और नौकरी में तरक्की होगी। सेहत का ध्यान रखें और वाहन चलाते समय सतर्क रहें।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों का दिन शानदार रहेगा। नौकरी में तरक्की हो सकती है। पैसों के लेन-देन से बचें और लव लाइफ में थोड़ा ध्यान दें। यात्रा का योग है।

धनु : धनु राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस से खुशखबरी मिल सकती है। लव लाइफ भी अच्छी रहेगी, लेकिन बहस से बचें। सेहत का ध्यान रखें।

मकर : मकर राशि वालों को मेहनत करनी होगी। मानसिक तनाव हो सकता है। बिजनेस में बड़ा निवेश न करें और टीम के साथ मिलकर काम करें। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ : कुंभ राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस में मुनाफा होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान दें। सेहत में थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन : मीन राशि वालों का दिन खास रहेगा। किसी की सोच को खुद पर हावी न होने दें। बिजनेस में नुकसान हो सकता है, तो निवेश से बचें। नौकरी में सराहना मिल सकती है। परिवार के साथ तालमेल रखें।

मुंबई में कोयले से चलने वाली तंदूर भट्टियों पर बैन

हाई कोर्ट के आदेश के बाद बीएमसी ने शुरू की कार्रवाई

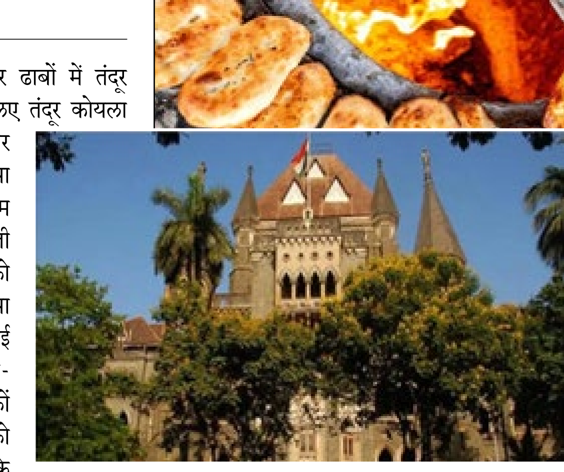

मुंबई.

होटलों, रेस्तरां और ढाबों में तंदूर रोटियां बनाने के लिए तंदूर कोयला भट्टी के उपयोग पर अब बैन लगा दिया गया है. यह कदम मुंबई की बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए उठाया गया है. हालांकि, मुंबई नगर निगम ने अलग-अलग होटल मालिकों और संचालकों को इलेक्ट्रिक भट्टियों के विकल्प का सुझाव दिया है. दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट ने खुद इस संबंध में आदेश जारी किए हैं. हाई कोर्ट के आदेश के बाद मुंबई नगर निगम की ओर से इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है. बता दें बॉम्बे हाई कोर्ट ने 9 जनवरी को खुद इस संबंध में आदेश जारी किए हैं. हाई कोर्ट के आदेश के बाद मुंबई नगर निगम की ओर से सभी होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों को नोटिस जारी कर दिया गया है.
नगर निगम की इस कार्रवाई पर कुछ होटल मालिकों ने नाराजगी जताई है. कुछ लोगों का कहना है कि कोयले की भट्टियां बंद करने से तंदूर रोटी का स्वाद बदल जाएगा. जबकि पारंपरिक तंदूरों के बिना कबाब अपना वजूद खो सकते हैं. मुंबई नगर निगम ने होटल संचालकों को 7 जुलाई तक कोयले से चलने वाले तंदूर ओवन को बिजली उपकरण, सीएनजी, पीएनजी और एलपीजी ईंधन में बदलने का निर्देश दिया है. नगर निगम ने चेतावनी दी है कि यदि इस निर्णय का पालन नहीं किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस मामले में चेतावनी दी गई है कि लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई की जाएगी.

दुकान मालिकों को नोटिस भेजा

दरअसल, हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि सभी दुकानों को 8 जुलाई तक स्वच्छ ईंधन का विकल्प अपनाना होगा. कोर्ट का कहना है कि जब तक वो लकड़ी, कोयला या किसी अन्य पारंपरिक ईंधन का उपयोग बंद नहीं करेंगे, तब तक उनके व्यापार लाइसेंस को नागरिक प्रणाली में नवीनीकृत नहीं किया जाएगा.

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 1006 Dt. 23/01/25
IN THE COURT OF 4th JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 404
M.J.C. Case No. 1169/2024
Fixed For 29/03/2025
Applicant : 1) Shankarama Wd/o Laxman Ghatange, R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur, **2) Ramesh S/o Laxman Ghatange,** R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur, **3) Raju S/o Laxman Ghatangi,** R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur, **4) Vishnu S/o Laxman Ghatange,** R/o Plot No. 262, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur, **5) Sushila W/o Bharat Gajbhiye,** R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur, **6) Uma D/o Laxman Ghatangi,** R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur. **--Versus--**
Non-Applicants: Nil
Name of Deceased : 1) Laxman S/o Allapa Ghatangi, Died On: 22/10/2020, R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur.
Whereas **Laxman S/o Allapa Ghatangi, Died On: 22/10/2020,** R/o Plot No. 125, Kamgar Colony, Near Buddha Vihar, Subhash Nagar, Ranapratap Nagar, Nagpur. and Whereas **Shankarama Wd/o Laxman Ghatange & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Shankarama Wd/o Laxman Ghatange & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **4th Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **29th Day of March, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forth with proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased. Given under my hand and the seal of the court, that **21st day of Jan., 2025.**
Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.
Prasanna Publicity 09326927622

सुविचार

राधे कुंभ स्नान से भी पवित्र स्नान है, मन का स्नान

संपादकीय

एक अच्छे 'नैरेटिव' के बिना सफलता नहीं मिल सकती

❐ कहानियां केवल किताबों या फिल्मों में ही नहीं होतीं। वे जीवन में भी हैं। हम किन कहानियों पर विश्वास करते हैं, इससे हमारी सोच बनती है। कहानियां राजनीति का भी हिस्सा हैं। आज विपक्ष बदहाल अवस्था में क्यों है। क्योंकि, उनके पास कोई अच्छी कहानी नहीं है। इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन जल्द ही उसने लय खो दी। आम चुनाव के बाद मात्र नौ महीनों में भाजपा पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गई है। इस दौरान उसने हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में बड़ी जीत हासिल की। ये क्यों हुआ, इस पर विश्लेषकगण मंथन कर रहे हैं। एक अच्छी कहानी कैसी होती है? विडम्बना यह है कि यह विपक्ष की नजरों के ठीक सामने घटित हुई है। भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के बाद से ही भारतीयों के सामने यह नैरेटिव प्रस्तुत किया है कि विकास के माध्यम से भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाए, जिससे नागरिकों के जीवन में सुधार आए और विदेश में भारत का कद बढ़े, साथ ही भारतीय राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म की प्रमुख संस्कृति को पुनर्स्थापित करते हुए उसका उत्सव मनाया जाए। खुद से पूछें, क्या यह कहानी बड़ी संख्या में भारतीयों को पसंद नहीं आएगी? क्या भाजपा के पास हमेशा से यह कहानी थी? नहीं। उससे भी अतीत में नैरेटिव की भूलें हुई हैं। 2014 से पहले, भाजपा ने केवल हिंदुत्व पर केंद्रित नैरेटिव बनाने की कोशिश की थी।

इससे लाभ तो हुआ, लेकिन इतना नहीं कि उन्हें ठोस बहुमत मिल सके। कालांतर में इसमें 'विकास', 'गुजरात मॉडल' भी जोड़ा गया। इसके लिए सुशासन में सक्षम और भारतीय संस्कृति के प्रति भावनात्मक झुकाव रखने वाले नेता की आवश्यकता थी। नरेंद्र मोदी के उदय के साथ हिंदुत्व और 'अच्छे दिन' के वादों ने भाजपा को वह नैरेटिव दिया, जिससे उसे प्रभुत्व मिला है। इसके बावजूद भाजपा अपने नैरेटिव को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उसमें बदलाव करती रहती है। 'विकसित भारत' ऐसा ही लक्ष्य है। दूसरी ओर, विपक्ष के पास आज न तो कोई बड़ी कहानी है और न ही ऐसे नेता हैं, जो लोगों को उनमें विश्वास दिला सकें। वर्तमान में विपक्ष का नैरेटिव जिन फैक्टर्स के इर्द-गिर्द घूमता है, उनमें से एक है जातिगत असमानता। इसे वे दूर करना चाहते हैं, लेकिन हम ठीक से नहीं जानते कि वे इसे कैसे करेंगे। हमारे यहां शीर्ष सरकारी नौकरियों और कॉलेजों के दाखिलों में पहले से ही 50 फीसदी आरक्षण है। क्या हम इसे और बढ़ाएंगे? इसे अमल में कैसे लाया जाएगा, कानून कैसे बनेगा?

जब दरवाजे बंद हों तो लक्ष्य हासिल करने के लिए खिड़की तलाशें

❐ 'कहां है तू', दूसरी तरफ से आ रही आवाज़ में घबराहट थी। इस तरफ मौजूद बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र, समर्थ महांगडे ने शांति से पूछा, 'क्या हुआ?' समर्थ पंचगनी की एक दुकान में, पर्यटकों को गन्ने का ताजा रस दे रहा था। दूसरी तरफ से आवाज और तेज हो गई, 'अबे एग्जाम है, पागल हो गया है क्या।' उसमें जूस के गिलास बेंच पर रखे और पंचगनी (महाराष्ट्र) के पास के गांव में स्थित दुकान से दौड़कर निकल पड़ा। चगनी, महाबलेश्वर के ट्विन हिल स्टेशन में से एक है, जो स्ट्रॉबेरी के लिए जाना जाता है। दौड़ते हुए समर्थ ने सोचा कि 15 किमी दूर, तलहटी में स्थित पसार्नी गांव के परीक्षा केंद्र तक कैसे पहुंचेगा। उसके दिमाग ने चेताया कि सड़क मार्ग से 30 मिनट लगेंगे और उसके पास उतना समय नहीं है। समर्थ जल्दी से गोविंद येवले के पास गया, जो उस इलाके में पैराग्लाइडिंग सेशन आयोजित करते हैं। समर्थ ने उनसे विनती की कि उसे पैराग्लाइडर इस्तेमाल करने दें। अगले ही पल वह पैराग्लाइडर में बंधा था, जिसे परीक्षा केंद्र के मैदान में उतारा गया। उसे बस पांच मिनट की देर हुई। दरअसल, यूनिवर्सिटी ने पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं कैंसल कर दी थीं और समर्थ को बदली हुई तारीखें नहीं पता चल पाईं क्योंकि उसे अपडेटेड हॉल टिकट नहीं मिला था। उसे दोस्त ने इसके बारे में बताया, जब वह पंचगनी के मशहूर हैरिसंस फॉली पॉइंट के जूस सेंटर पर काम कर रहा था। 15 दिसंबर 2024 की इस घटना का वीडियो अब वायरल है। मुझे यह तब याद आया, जब मुझे बिहार के बक्सर जिले के कम्हरिया गांव के सात लोगों के बारे में पता चला, जिन्होंने महाकुंभ पहुंचने के लिए गैर-पारंपरिक तरीका अपनाया। जब करोड़ों लोग प्रयागराज की ओर जाने वाली सड़कों के जाम में फंसे थे और हजारों लोग हवाई यात्रा की भारी कीमत चुकाकर पहुंच रहे थे, इन सात लोगों ने गंगा पर मोटरबोट से सफर किया। ये बक्सर से प्रयागराज, 275 किमी नदी के जरिए पहुंचे। उन्होंने 11 फरवरी को सफर शुरू किया, 13 फरवरी को प्रयागराज पहुंचे और फिर 15 फरवरी को गांव लौट आए। उन्हें कोई ट्रैफिक जाम नहीं मिला क्योंकि वे पानी के रास्ते गए! चूंकि ट्रैफिक बहुत ज्यादा है और गाड़ियों को संगम से बहुत पहले रोक दिया जा रहा है, इसलिए इन लोगों ने उस 'गाड़ी' का इस्तेमाल करने का सोचा, जिससे उनकी रोजी-रोटी चलती है। सात लोगों की टीम में सबसे युवा था 22 वर्षीय मनु चौधरी। 550 किमी और 84 घंटे की राउंड ट्रिप पर सुमंत, संदीप, मनु, सुखदेव, आदू, रविंद्र और रमेश गए, जो पेशेवर नाविक हैं। नाव में खाना पकाने की सुविधा थी। टीम ने शिफ्ट में काम किया, जिसमें दो लोग नाव चलाते थे और पांच आराम करते थे। नेविगेशन के लिए उन्होंने गूगल मैप का इस्तेमाल किया। यह ऐप्लिकेशन उनके लिए रात को बहुत काम की साबित हुई, जिसमें उन्होंने नदी के मोड़ देखे और अंधेरे में भी सही रास्ते पर बने रहे। उन्होंने नाव में एक अतिरिक्त इंजन रखा, ताकि एक इंजन फेल होने पर दूसरे से नाव चला सकें। उनके पास नाव में पांच किग्रा का गैस सिलेंडर, 20 लीटर पेट्रोल, सब्जियां, चावल, आटा और कंबल तथा गद्दे थे। वे सिर्फ मोबाइल का पॉवर बैंक ले जाना भूल गए थे! हालांकि उनमें से एक ने कुछ रील बनाईं और इंस्टाग्राम पर उसके सब्सक्राइबर दोगुने हो गए।

श्री गजानन महाराज का प्रकट दिन

गजानन महाराज का प्रकटोत्सव 4 से 6 मार्च 2021 तक मनाया जा रहा है। इसमें 3 दिवसीय कार्यक्रम होंगे, जिसमें श्रीजी का पारायण, चरण पादुका पूजन और भ्रमण तथा जलाभिषेक, कलश पूजन, यज्ञ और इसके बाद भंडारे या महाप्रसादी का वितरण होता है। गजानन महाराज का जन्म कब हुआ, उनके माता-पिता कौन थे, इस बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं। पहली बार गजानन महाराज को शेगांव में 23 फरवरी 1878 में बनकट लाला और दामोदर नामक दो व्यक्तियों ने देखा। एक श्वेत वर्ण का सुंदर बालक झूठी पत्तल में से चावल खाते हुए 'गं गं गणात बूते' का उच्चारण कर रहा था। गजानन महाराज का अपनी इंद्रियों पर पूर्ण नियंत्रण था। 'गं गं गणात बूते' का उच्चारण करने के कारण ही उनका नाम गजानन पड़ा। एक बार जब महाराज दिगंबर होकर तपस्या कर रहे थे तब एक स्त्री उन पर मोहित होकर उनके पास गई, लेकिन उसने देखा कि महाराज के तेज से नीचे रखी घास भस्म हो गई है। उस स्त्री को महाराज के प्रति गलत भाव रखने का बहुत पछतावा हुआ और उसने उनसे क्षमा मांगी। गजानन महाराज के चित्र में उन्हें चिलम पीते हुए दिखाया जाता है। गजानन महाराज नियमित चिलम पीया करते थे, लेकिन उन्हें चिलम पीने की लत नहीं थी। माना जाता है कि वे अपने बनारस के भक्तों को खुश करने के लिए चिलम पीया करते थे। गजानन महाराज चमत्कारी महापुरुष थे। उनके कई चमत्कारों को भक्तों ने प्रत्यक्ष देखा है। एक बार महाराज आंगन कोट में भ्रमण कर रहे थे। तेज गर्मी के कारण उन्हें प्यास लगी। उन्होंने वहां से गुजर रहे भास्कर पाटिल से पानी मांगा, लेकिन उसने पानी देने से मना कर दिया। तभी महाराज को वहां कुआं दिखा, जो 12 वर्षों से सूखा पड़ा था। महाराज कुएं के पास जाकर बैठ गए और ईश्वर का जाप करने लगे। जाप के तप से कुआं पानी से भर गया। इस तरह बहुत से चमत्कार उनके भक्तों के बीच प्रसिद्ध है। गजानन महाराज एक भारतीय हिंदू गुरु, संत और रहस्यवादी थे। उनकी उत्पत्ति अनिश्चित है। वे पहली बार महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के एक गाँव शेगाँव में 30 वर्ष की आयु में, संभवतः 23 फ़रवरी 1878 को एक युवा के रूप में प्रकट हुए थे। उन्होंने 8 सितंबर 1910 को संजीवन समाधि प्राप्त की, जिसे

किसी के भौतिक शरीर से स्वैच्छिक वापसी की प्रक्रिया माना जाता है। उनकी समाधि की यह तिथि हर साल श्री पुण्यतिथि उत्सव के हिस्से के रूप में मनाई जाती है।

उनकी पहली उपस्थिति की तिथि को एक शुभ दिन माना जाता है और इसे प्रकट दिन सोहला के रूप में मनाया जाता है। गजानन महाराज का जन्म और उनके प्रारंभिक जीवन का विवरण अज्ञात है। माना जाता है कि वे पहली बार फरवरी 1878 में शेगाँव में प्रकट हुए थे। श्री गजानन महाराज चरित्र-कोष के नाम से प्रसिद्ध उनकी एक जीवनी शेगाँव के मूल निवासी दासभार्गव या भार्गवराम येओडेकर द्वारा लिखी गई थी। जीवनी में गजानन महाराज की उत्पत्ति के विभिन्न संस्करणों का उल्लेख है। ऐसा माना जाता है कि नासिक में रहते हुए दासभार्गव की मुलाकात स्वामी शिवानंद सरस्वती नामक एक समकालीन संत से हुई थी, जिनके बारे में अनुमान लगाया जाता है कि उस समय उनकी आयु 129 वर्ष थी। शिवानंद के अनुसार, वह एक ब्राह्मण थे , जो इससे पहले 1887 में नासिक में गजानन महाराज से मिले थे। उन्होंने दासभार्गव को उस अवधि के बारे में बताया जब गजानन महाराज शेगाँव में प्रकट हुए, जहाँ उन्होंने अपना शेष जीवन व्यतीत किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस अवधि के दौरान गजानन महाराज के 25 से 30 दर्शन किए थे।

शिवानंद स्वामी ने यह भी कहा कि वह अक्सर अमरावती के निवासी दादासाहेब खापर्डे से मिलने जाते थे यह ध्यान देने योग्य है कि बाद में शिवानंद स्वामी ने हिमालय की यात्रा की और फिर कभी नहीं देखे गए (उपर्युक्त जीवनी के पृष्ठ 362-365 के अनुसार जो दासभार्गव और शिवानंद स्वामी के बीच बातचीत का विवरण देता है)। यह भी माना जाता है कि शिवानंद स्वामी महाराष्ट्र के सज्जनगढ़ के पूर्व निवासी रहे होंगे, जहां 17वीं शताब्दी के प्रमुख संत और दार्शनिक समर्थ रामदास कई वर्षों तक रहे थे। गजानन महाराज मारिजुआना और हशीश के एक उत्साही उपयोगकर्ता थे, जो उनके समाधि प्राप्त करने के समय से सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध लगभग सभी छवियों में देखा जा सकता है। यहां तक कि मंदिर परिसर जहां उन्होंने समाधि प्राप्त की और एक हाथ ऊपर की ओर रखकर उनकी बैठी हुई मुद्रा, जो हाथी की तरह श्री गणपति देव का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व करती है। गजानन महाराज ने अपने जीवन में कई अलौकिक चमत्कार किए गजानन महाराज की एक और जीवनी, जिसे श्री गजानन विजय के नाम से जाना जाता है , की रचना अकोलनेर में जन्मे दास गणू ने की थी। दास गणू, जिन्हें शुरू में उनके मामा के रिश्तेदारों ने नारायण नाम दिया था, किसी समय महाराष्ट्र के अहमदनगर चले गए थे, जहाँ उनके पिता एक संपत्ति के रखवाले थे। बाद में उनका नाम बदलकर गणेश कर दिया गया और उनके दादा अक्सर उन्हें उनके नाम का छोटा रूप गणू कहकर पुकारते थे। जब वे पंढरपुर पहुँचे, तो दास गणू का संपर्क शेगाँव के निवासी रामचंद्र कृष्णजी पाटिल से हुआ, जो गजानन महाराज के भक्त भी थे। उन्होंने दास गणू को गजानन महाराज पर एक जीवनी लिखने की सलाह दी। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने एक बार महाराष्ट्र के नासिक और कपिलतीर्थ सहित आसपास के तीर्थ स्थलों का दौरा किया था।

वे कपिलतीर्थ में लगभग 12 वर्षों तक रहे। गजानन महाराज के समकालीनों ने उन्हें कई नामों से पहचाना, जिनमें गिन गिन बुवा, गणपत बुवा और आवलिया बाबा शामिल हैं। एक किंवदंती के अनुसार, बंकट लाल अग्रवाल नामक एक साहूकार ने पहली बार 23 फरवरी 1878 को एक सड़क पर "अतिचेतन अवस्था" में गजानन महाराज को देखा, जो बचा हुआ खाना खा रहे थे जिसे फेंक दिया गया था (और इस तरह यह संदेश फैला रहे थे कि भोजन ही जीवन है और भोजन बर्बाद नहीं होना चाहिए)। उन्हें एक साधारण व्यक्ति नहीं जिसे खाने के लिए भोजन की आवश्यकता है, बल्कि एक योगी समझकर बंकट उन्हें अपने घर ले गए और महाराज से उनके साथ रहने के लिए कहा।

अपने जीवनकाल में, उन्होंने कई चमत्कार किए जैसे कि जनराव देशमुख नामक एक व्यक्ति को नया जीवन देना, बिना आग के मिट्टी के पाइप को जलाना, सूखे कुएं को पानी से भरना, अपने हाथों से गन्ने को घुमाकर गन्ने का रस निकालना, एक व्यक्ति के कुष्ठ रोग को ठीक करना, मधुमक्खियों के कई काटने से खुद को ठीक करना आदि। उपरोक्त कुछ कार्य इसलिए हैं क्योंकि श्री दास गणु महाराज की पुस्तक में उनके प्रवेश पर श्री गजानन महाराज योग शास्त्र जानते थे। शिव जयंती पर एक सार्वजनिक बैठक के दौरान, महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक की मुलाकात गजानन महाराज से हुई। जब तिलक ने एक करिश्माई भाषण दिया, तो महाराज ने भविष्यवाणी की कि तिलक को ब्रिटिश राज से कठोर सजा मिलेगी। महाराज के शब्द सच हुए; हालाँकि, तिलक ने महाराज का आशीर्वाद और उनका प्रसाद लिया, जिससे उन्हें अपनी पुस्तक - श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य लिखने में मदद मिली, जो हिंदुओं की पवित्र पुस्तक भगवद गीता का संक्षिप्त संस्करण है। श्री गजानन महाराज ने 8 सितंबर 1910 को समाधि ली थी। उनके पार्थिव अवशेषों को दफनाया गया और शेगाँव में उनकी समाधि पर उनके नाम पर एक मंदिर बनाया गया। महाराज दूरदर्शी थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि इस धरती पर उनका समय लगभग समाप्त हो चुका है। उनके भक्तों ने उनके समाधि -दिवस से कुछ समय पहले उनके सम्मान में मंदिर बनवाया था। उनका समाधि मंदिर श्री राम के मंदिर के ठीक नीचे है। ऐसा कहा जाता है कि श्री गजानन महाराज अपने जीवनकाल में नियमित रूप से श्री राम के मंदिर में पूजा करते थे। श्री गजानन महाराज अपनी चिलम में गांजा पीने के शौकीन थे और ऐसा माना जाता है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में एक धूनी (ढीले अर्थ में चूल्हा, लेकिन एक चमकती चिलम का प्रतिनिधित्व करता है) भी शुरू की थी। धूनी अभी भी जल रही है और समाधि मंदिर के बहुत पास स्थित है। जब उन्होंने एक सूखे कुएं को पानी से भर दिया, तो जिस संत ने उन्हें पानी देने से मना कर दिया था, उन्होंने कहा कि यहां सभी कुएं सूखे हैं, श्री भास्कर महाराज जायले , बाद में उनके बड़े भक्त बन गए। भास्कर महाराज के पोते, श्री वासुदेव महाराज जायले, भी गजानन महाराज के एक महान भक्त थे, जिनका अकोट में श्रद्धासागर आश्रम आस-पास के इलाकों में भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक स्थान है।

समाधि : शेगांव के गजानन महाराज नाथ संप्रदाय के बहुत ही पहुंचे हुए दिगंबर संत थे। समाधि के करीब एक माह पूर्व उन्होंने पंढरपुर में श्रीविठ्ठल के समक्ष समाधि लेने का निर्णय लिया। समाधि लेने का विचार जब उन्होंने भक्तों को बताया तो उनके भक्तों में उदासी छा गई, लेकिन उन्होंने सभी को समझाया और समाधि का दिन नियुक्त किया। गजानन महाराज ने अपनी समाधि का स्थान व समय अपने सभी भक्तों को बताया और उन्हें उपस्थित रहने को कहा। वह गणेश चतुर्थी का दिन था। उस पूरे दिन महाराज बहुत प्रसन्न थे और उन्होंने अपने भक्तों से बातें की और उन्हें समझाया कि वे सादा उनके साथ रहेंगे और अंत में बाळा भाऊ को अपने करीब बैठने के लिए कहा और 'जय गजानन' कहते हुए अंतिम सांस ली। मान्यता अनुसार 8 सितंबर 1910 प्रातः 8 बजे उन्होंने शेगांव में समाधि ले ली। माना जाता है कि बाळा भाऊ की मृत्यु के उपरांत नंदुरगांव के नारायण के स्वप्न में महाराज ने दर्शन दिए और मठ की सेवा करने का आदेश दिया।

आनंद सागर : शेगांव में 1908 में गजानन महाराज ट्रस्ट की स्थापना की गई। मुख्य मंदिर से करीब 2 किलोमीटर स्थित है आनंद सागर। यह भी गजानन महाराज ट्रस्ट का ही उद्यान, आध्यात्मिक स्थल व ध्यान केंद्र है। 325 एकड़ के क्षेत्र में बसे आनंद सागर सुंदर, सुसज्जित, प्राकृतिक स्थल से परिपूर्ण है जिसमें करीब 50,000 अलग-अलग प्रकार के वृक्ष, विभिन्न प्रकार के फूल और हजारों लताएं हैं। इसमें 50 एकड़ क्षेत्र में एक विशाल तालाब बनाया गया है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तालाब के मध्य में टापू नुमा स्थान पर ध्यान केंद्र बनाया गया है, जो विवेक आनंद केंद्र (कन्याकुमारी) का प्रतिरूप है। यहां पर बच्चों के खेलने के लिए झूले, फिसलपट्टियां और रेलगाड़ी है जो कि संपूर्ण क्षेत्र का भ्रमण कराती है। इसके अलावा म्यूजिकल फाउंटेन, फिश म्युजियम और बहुत से छोटे-बड़े मंदिर हैं जो लोगों को आकर्षित करते हैं। संपूर्ण क्षेत्र का भ्रमण करने के लिए 3 से 4 घंटे का समय लगता है। ध्यान केंद्र तक जाने के लिए पैदल रास्ते के अलावा वॉटर बोट की व्यवस्था भी है। कुल मिलाकर यह एक बहुत ही सुंदर, रमणिक व आध्यात्मिक स्थान है। इस क्षेत्र की प्रमुखता है, इसका रखरखाव जो देखते ही बनता है। हर 10 कदम पर गजानन महाराज ट्रस्ट का एक सेवक उद्यान की स्वच्छता का ध्यान रखने हेतु उपस्थित रहता है। उद्यान में पीने के स्वच्छ पानी की निःशुल्क व अल्पाहार, भोजन आदि की उचित व्यवस्था शुल्क पर है।

श्री गजानन महाराज विशेष

पहली बार गजानन महाराज को शेगांव में 23 फरवरी 1878 में बनकट लाला और दामोदर नामक दो व्यक्तियों ने देखा। एक श्वेत वर्ण का सुंदर बालक झूठी पत्तल में से चावल खाते हुए 'गं गं गणात बूते' का उच्चारण कर रहा था। गजानन महाराज का अपनी इंद्रियों पर पूर्ण नियंत्रण था। 'गं गं गणात बूते' का उच्चारण करने के कारण ही उनका नाम गजानन पड़ा।

समाधि स्थल : जहां बाबा ने समाधि ली थी वहां आज एक विशाल मंदिर है। यह मंदिर काफी विशाल परिसर में बना है तथा महाराज की सामधि के दर्शन करने के लिए लंबी कतर लगती है। मंदिर परिसर में गजानन महाराज की प्रतिमा के अलावा समाधि स्थान, पादुका, महाराज का चिमटा, औजार, चिलम पीने का स्थान (जो आज भी गर्म रहता है) और प्राचीन हनुमान प्रतिमा मौजूद है। मंदिर में व्यवस्था काफी अच्छी रखी गई है। बहुत से सेवक अनुशासनबद्ध तरीके से मंदिर की व्यवस्था को बनाए रखने में जुटे दिखाई देते हैं। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में गजानन महाराज की समाधि है। समाधि स्थल पर प्रतिदिन लगभग 25 से 30 हजार लोग दर्शन करने आते हैं। मान्यता है कि भारत में एकमात्र ऐसा समाधि स्थल है जहां किसी भी वीआईपी के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं है। सभी को लाइन में खड़े रहकर ही दर्शन करना होंगे। शायद तभी वीआईपी लोग गजानन महाराज के दरबार में कम ही जाते हैं।

नॉलेज

औरंगजेब और छत्रपति शिवाजी की दुश्मनी कैसे शुरू हुई ?

❐ छत्रपति शिवाजी बहादुर और चतुर सैन्य रणनीतिज्ञ थे. अनूठी नेतृत्व क्षमता थी. सीमित सेना से औरंगजेब की बड़ी ताकत को उन्होंने जबरदस्त चुनौती दी. उनकी गुरिल्ला रणनीति दुश्मनों को संभलने का मौका नहीं देती थी. युद्ध क्षेत्रों के चप्पे-चप्पे की जानकारी उन्हें ताकत देती थी. दुश्मन खेमे की कमजोरियों का उनके पास सटीक ब्यौरा रहता. हमले के लिए रात से लेकर खराब मौसम तक के इंतजार से परहेज नहीं किया. जरूरतों के मुताबिक कभी शत्रु खेमे का पूर्ण संहार तो कभी हिट एंड रन की चतुर नीति अपनाई. बड़े से बड़े खतरे वे सिर ओढ़ते और उनका यह पराक्रम उनकी सेना में खूब जोश भरता था. शिवाजी को गुरिल्ला युद्ध की रणनीति का जन्मदाता कहा जाता है. गुरिल्ला युद्ध जंग की ऐसी रणनीति होती है जिसमें छोटी और कम संख्या वाली सेना एक बड़ी सेना से भिड़ती है. गुरिल्ला युद्ध करने वाली सेना अचानक से सामने आकर दुश्मनों पर हमला करती है और भाग जाती है. पीछे हटने से पहले ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जाती है.

आलेख

भारत में लोक साहित्य का उद्भव और विकास

डॉ. सुशील शर्मा

❐ लोक साहित्य किसी भी समाज की भाषा और संस्कृति का एक हिस्सा है। संस्कृति एक जीवित प्रक्रिया है, जो लोक के स्तर पर अंकुरित होती है, पनपती और फैलती है तथा पूरे लोक को संस्कारित करती है एवं विशिष्ट स्तर पर अनेक लोकों के विविध पुष्पों द्वारा एक सुंदर माला निर्मित करती है। इसी तरह लोक-स्तर पर वह लोक-संस्कृति है, जिसमें जनसामान्य के आदर्श, विश्वास, रीतिरिवाज आदि व्यक्त होते हैं, जबकि विशिष्ट स्तर पर वह संस्कृति कही जाती है, जिसमें परिनिष्ठित मूल्य आचार-विचार, रहन-सहन के ढ़ंग आदि संघटित रहते हैं। मतलब यह है कि लोकसंस्कृति और परिनिष्ठित संस्कृति, दोनों एक-दूसरे से संग्रहित होती हुई भी भिन्न हैं ।लोक साहित्य, जिसे लोककथाओं या मौखिक परंपरा भी कहा जाता है, बिना लिखित भाषा वाली संस्कृतियों की विद्या (पारंपरिक ज्ञान सामाजिक रीतियाँ) है। यह गद्य और शब्द से संचरित होता है, जैसा कि गद्य और पद्य की कथाओं, कविताओं और गीतों, मिथकों, नाटकों, रीति-रिवाजों, कहावतों, पहेलियों और इसी तरह के लिखित साहित्य इसमें समाहित होता है। हमें अपने लोक साहित्य पर गर्व है।

आस्था

शबरी जयंती आज

❐ रामायण काल की बात जब भी होती है, तो माता शबरी का जिक्र जरूर किया जाता है. माता शबरी रामायण की एक प्रमुख पात्र हैं. उनके बिना रामायण पूरी नहीं होती. माता शबरी प्रभु श्री राम की भक्त थीं. उन्होंने जूठे बेर भगवान राम को बड़े प्रेम से खिलाए थे. हर साल शबरी जयंती के रूप में उनका जन्मोत्सव मानाया जाता है. शबरी जंयती फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाई जाती है. इस दिन विधि-विधान से प्रभु श्री राम और माता शबरी का पूजन किया जाता है. इस दिन व्रत भी रखा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो कोई भी शबरी जंयती के दिन व्रत और पूजन करता है उसके सारे दुख कष्ट दूर हो जाते हैं. साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है. सकारात्मक उर्जा बनी रहती है. घर अन्न और धन के भंडार भरा रहता है. शबरी जयंती कल मनाई जाएगी. ऐसे में आइए जानते हैं कि शबरी जयंती की पूजा विधि क्या है. शुभ मुहूर्त क्या है. इस दिन किन चीजों का दान करना चाहिए. साथ ही इसका महत्व क्या है? हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत आज यानी 19 फरवरी को सुबह 7 बजकर 32 मिनट पर शुरू हो चुकी है. इस तिथि का समापन 20 फरवरी को सुबह 9 बजकर 58 मिनट पर हो जाएगा. ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, 20 फरवरी यानी आज शबरी जयंती मनाई जाएगी. कल ही इसका व्रत रखा जाएगा. शबरी जयंती की पूजा का पहला शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 55 मिनट से शुरू होगा और 8 बजकर 20 मिनट तक रहेगा. इस मुहूर्त में पूजा करना सबसे उत्तम है. वहीं पूजा का चर (सामान्य) मुहूर्त सुबह 11 बजकर 10 मिनट से शुरू होगा.

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

❐ आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलाम्रुत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

'जय भवानी -जय शिवाजी' के जयकारों से गूंज उठा गढ़चिरोली!

छत्रपति के विचारों को अपनाकर व्यक्तित्व का विकास करें: जिला कलेक्टर

गढ़चिरोली.

छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के अवसर पर आयोजित "जय छत्रपति शिवाजी - जय भारत" पदयात्रा से पूरा गढ़चिरोली शहर शिवमय हो गया। शहर "जय शिवाजी, जय भवानी" के नारों से गूंज उठा, जबकि हजारों नागरिकों की उपस्थिति ने एक ऐतिहासिक माहौल बना दिया। छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के अवसर पर आज खेल एवं युवा सेवाएं निदेशालय, जिला खेल अधिकारी कार्यालय एवं जिला प्रशासन द्वारा "जय छत्रपति शिवाजी - जय भारत" पदयात्रा एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक डॉ. यह मिलिंद नरोटे द्वारा किया गया था। समारोह की अध्यक्षता जिला कलेक्टर अभिश्यंत पांडा ने की। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुहास गाडे, निवासी उपजिलाधिकारी सुनील सूर्यवंशी, नगर परिषद के मुख्य अधिकारी सूर्यकांत पिदुरकर, जिला युवा अधिकारी अमित पुंडे, जिला क्रीड़ा अधिकारी भास्कर घाटाले सहित विविध सरकारी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर अविश्यंत पंडा ने छत्रपति शिवाजी के विचारों को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर व्यक्तित्व निर्माण करने की अपील की। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता और राष्ट्रसेवा से प्रेरित होकर समाज के कल्याण में योगदान देने का संदेश दिया।

यह मार्च सुबह 8 बजे जिला परिषद हाई स्कूल, चामोर्शी रोड, गढ़चिरौली से शुरू हुआ और सरकारी विश्राम गृह के पास छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तक पहुंचा। लगभग 3.5 किमी. इस लम्बी दूरी की पदयात्रा में तीन हजार से अधिक नागरिक, छात्र, युवा, अधिकारी- कर्मचारी शामिल हुए। इस पदयात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित पट्टिकाएं, तैल चित्र, झांकियां, पारंपरिक वेशभूषा और ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने वाली महत्वपूर्ण वस्तुएं शामिल थीं। मार्च के दौरान प्रशासन द्वारा पानी की व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। यह पदयात्रा सरकारी विश्राम गृह के सामने एकता पार्क में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास संपन्न हुई। यहां शिवाजी महाराज, डॉ. बाबा साहब अंबेडकर और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नगर परिषद द्वारा नवनिर्मित 'एकता पार्क' का उद्घाटन विधायक डॉ.मिलिंद नरोटे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक एवं व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश संग्रामे और अमित पुंडे ने किया, जबकि भास्कर घाटाले ने आभार व्यक्त किया।

कुनबी सेवा समिति की ओर से मनाई गई शिव जयंती...

गढ़चिरोली.

कुनबी सेवा समिति गढ़चिरोली की ओर से राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती कार्मेल स्कूल के पीछे समिति द्वारा नियोजित स्थल पर मनाई गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय ठाकरे के हाथों छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर पूजा की गई। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। मार्गदर्शन करते हुए एडवोकेट संजय ठाकरे ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन और व्यक्तित्व विश्व के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। शिवाजी का शासन वास्तव में जन-उन्मुखी राज्य था और सामाजिक परिवर्तन के लिए उनके कार्य आज भी विश्व को प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रभाकर भागडकर ने किया तथा आभार ज्ञापन धन्यवाद समिति के सचिव आशीष ब्राह्मणवाडे ने माना। इस मौके पर कार्यक्रम में मनोहर हेपट, शेषराव येलेकर, चंद्रकांत शिवणकर, अनिल मंगर, लुमाजी गोहने, राजेंद्र हिवरकर, दादाजी चौधरी, डॉ.देवेंद्र हिवसे, टीकाराम भोयर, वामनराव भोयर, जितेंद्र नायबनकर, अनिल रक्ताटे, वैशाली खेवले, अलका रक्ताटे, शीला गोहाने, काजल भागडकर, किरण भागडकर, नायबनकर मैडम, पत्रकार कैलाश शर्मा और अन्य समाजजन उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार मेले में 198 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन

चंद्रपुर. जिला कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र, मॉडल कैरियर सेंटर, सर्वोदय कॉलेज और ओबीसी, एससीएसटी क्रांति दल के सहयोग से सर्वोदय कॉलेज, सिंदेवाही में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार मेले में 198 उम्मीदवारों का चयन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ऋतुराज सूर्या ने किया, जबकि अध्यक्षता सर्वोदय महाविद्यालय के प्राचार्य राजेश डहारे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में एकीकृत आदिवासी विकास विभाग के परियोजना अधिकारी विकास राचेलवार, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक राजू नंदनवार, कौशल विकास विभाग के सहायक आयुक्त भैयाजी येरेमे आदि उपस्थित थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में राजेश डहारे ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया कि वे नौकरी मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने परिवारों के लिए आर्थिक योगदान करें। राजू नंदनवार ने बैंक ऋण के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक राजेंद्र महाडोले ने अपने भाषण में कहा कि यह रोजगार मेला सिंदेवाही क्षेत्र में पहली बार आयोजित किया जा रहा है और हमारे क्षेत्र के शिक्षित उम्मीदवारों को अपने कौशल और शैक्षणिक योग्यता का उपयोग करके प्रतिष्ठान में नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्वरोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों से विभिन्न सरकारी निगमों से ऋण लेकर अपना व्यवसाय शुरू करने की भी अपील की। विद्या प्रसारक मंडल के अध्यक्ष अरविंद जायसवाल ने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को विभिन्न कौशल हासिल कर छोटे-बड़े व्यवसाय शुरू करने चाहिए। आपको इससे पूंजी जुटाने का प्रयास करना चाहिए और उद्यमी बनना चाहिए। सहायक आयुक्त भैयाजी येरमा ने अपने परिचय में कहा कि अधिक से अधिक अभ्यर्थी इस समागम का लाभ उठाएं तथा अपने कौशल का उपयोग कर रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त करें तथा उद्यमी अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं। इस रोगजार मेले में मिटकॉन कोरम नागपुर, हल्दीराम प्रा.लि. नागपुर, विदर्भ क्लिक वन सोल्यूशन चंद्रपुर, डिस्कॉन प्राइवेट। लिमिटेड नागपुर, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन मुंबई, संजीवनी महानंदा आयुर्वेद कंपनी, गढ़चिरोली आदि प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। इस नौकरी मेले में 360 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें से 198 अभ्यर्थियों का चयन प्राथमिक चयन के लिए किया गया है।

राज्यस्तरीय अंतरविश्वविद्यालय खेल महोत्सव 'अश्वमेध 2024' में अव्यवस्था

खिलाड़ियों ने जताई नाराजगी

चंद्रपुर.

इस वर्ष राज्य स्तरीय अंतरविश्वविद्यालय खेल महोत्सव "अश्वमेध 2024" का आयोजन चंद्रपुर में किया गया है। इस आयोजन की मेजबानी गोंडवाना विश्वविद्यालय को सौंपी गई है। हालांकि, पहले ही दिन से खिलाड़ियों और अतिथियों को अव्यवस्था का सामना करना पड़ा, जिससे उन्होंने नाराजगी जताई। खेल महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेल अलग-अलग मैदानों में आयोजित किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के आगमन के कारण उनकी रहने की व्यवस्था अलग-अलग स्थानों पर की गई। लेकिन अधिकांश स्थानों पर कमरे गंदे और धूल-मिट्टी से भरे मिले। कई खिलाड़ियों को लंबा इंतजार करना पड़ा क्योंकि सही समय पर कमरे उपलब्ध नहीं कराए गए। मैदान तक जाने के लिए वाहन उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन वहां भी प्रबंधन की कमी के कारण खिलाड़ियों को परेशानी झेलनी पड़ी। पहले ही दिन खिलाड़ियों को समय पर भोजन नहीं मिला। जो भोजन उपलब्ध कराया गया, वह निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं था। सबसे बड़ी समस्या यह थी कि निवास स्थान पर भोजन की कोई सुविधा नहीं थी, बल्कि केवल खेल मैदान पर ही भोजन की व्यवस्था थी। इससे खिलाड़ियों को सिर्फ खाने के लिए भी यात्रा करनी पड़ी, जिससे वे काफी असंतुष्ट नजर आए। इस अव्यवस्था को लेकर कई प्रतियोगियों और शिक्षकों ने नाराजगी जाहिर की है। खेल महोत्सव के इस अव्यवस्थित आयोजन से खिलाड़ियों की असुविधा बढ़ गई है, जिससे इसकी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

चंद्रपुर फ्लाइंग क्लब का उद्घाटन आज

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

चंद्रपुर-गड़चिरोली जिले के युवाओं को पायलट बनने में सक्षम बनाने के लिए राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य मंत्री, विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने पहल से उन्होंने छात्रों के आसमान में ऊंची उड़ान भरने के सपने को साकार करने के लिए चंद्रपुर में एक फ्लाइंग क्लब स्थापित करने के लिए विशेष प्रयास किए। विधायक मुनगंटीवार का मानना है कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जब पायलट बनेंगे तो चंद्रपुर और गडचिरोली का नाम गौरवान्वित होगा। चंद्रपुर फ्लाइंग क्लब का उद्घाटन 20 फरवरी 2025 को दोपहर 1:00 बजे किया जा रहा है। मुनगंटीवार के प्रयास सचमुच सफल रहे हैं। हमारा मानना है कि यह परियोजना भावी पायलटों के लिए बेहतरीन अवसर पैदा करेगी ऐसी भावना मुनगंटीवार ने व्यक्त की। इस फ्लाइंग क्लब का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और सांसद राजीव प्रताप रूडी ने 14 सितंबर 2014 को किया था। आज 20 फरवरी 2025 को दोपहर 1 बजे मोरवा में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षु विमानों की उड़ान के लिए मोरवा में रनवे की मरम्मत के लिए 5.63 करोड़ रुपए तथा सुरक्षा दीवार के लिए 11.93 करोड़ रुपए तत्काल स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। और मुनगंटीवार ने दिए गए निर्देश पूरे कर लिए गए हैं और हवाई अड्डा अब पूरी तरह तैयार है। लोक निर्माण विभाग को यहां रनवे पर विमान की गति के बराबर ही संबंधित अधिकारियों को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। यह भी सुझाव दिया गया है कि चयन के दौरान पहले चरण में 10 प्रशिक्षुओं में पिछड़े वर्ग के छात्रों को भी शामिल किया जाना चाहिए। सुधीर मुनगंटीवार के निरंतर प्रयासों के कारण चंद्रपुर फ्लाइंग क्लब का उद्घाटन किया जा रहा है।

महावितरण अभय योजना की समयसीमा मार्च के अंत तक

चंद्रपुर. बिजली की जरूरत न होने पर भी बकाया भुगतान का अवसर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार, बकाया बिजली बिल वाली संपत्ति का स्वामित्व बदलने के बाद भी, नए मालिक या अधिभोगी को बकाया राशि का भुगतान करना होगा। अतः बिजली की आवश्यकता है या नहीं, इसमें स्थान का उपयोग भी शामिल है। हालांकि, महावितरण की अभय योजना के तहत घरेलू, वाणिज्यिक, औद्योगिक और अन्य गैर-कृषि ग्राहकों को बिजली बिल बकाया से छुटकारा पाने का अवसर मार्च तक उपलब्ध है। इस बीच, चंद्रपुर सर्कल में इस योजना में भाग लेने वाले बिजली उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिला है और उनका बकाया माफ हो गया है, जबकि उन्हें वर्तमान में बिजली की आवश्यकता नहीं है। महावितरण अभय योजना शेष सभी गैर-कृषि बिजली उपभोक्ताओं के लिए 31 मार्च, 2025 तक जारी रहेगी, जिसमें बिजली कटौती और कृषि और सार्वजनिक जल आपूर्ति योजनाएं शामिल नहीं हैं। महावितरण अभय योजना के अनुसार, यदि चूककर्ता केवल मूल बकाया राशि का भुगतान करते हैं, तो संपूर्ण 100 प्रतिशत ब्याज और विलंब शुल्क राशि माफ कर दी जाती है। इसके अलावा, यदि मूल बकाया राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाता है, तो कम दबाव वाले ग्राहकों को अतिरिक्त 10 प्रतिशत की छूट मिल रही है और उच्च दबाव वाले ग्राहकों को अतिरिक्त 5 प्रतिशत की छूट मिल रही है। इसके साथ ही मूल बकाया राशि का 30 प्रतिशत भुगतान शुरू में तथा शेष 70 प्रतिशत ब्याज मुक्त किश्तों में करने की सुविधा भी है। चंद्रपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता हरीश गजबे ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बकाया से छुटकारा पाने के लिए इस योजना का लाभ उठाएं। इस अभय योजना में भाग लेने के लिए, जो फ्रैंचाइज़ी ग्राहकों के लिए भी लागू है, ऑनलाइन आवेदन और बकाया भुगतान महावितरण की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से उपलब्ध है। साथ ही योजना का लाभ लेने व अधिक जानकारी के लिए नजदीकी कार्यालय से संपर्क करें।

छत्रपति शिवाजी महाराज की घुड़सवार प्रतिमा स्थापित की जाएगी: विधायक किशोर जोरगेवार

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने का अवसर है। लेकिन हम यहीं रुकना नहीं चाहते। इस स्थान पर जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की घुड़सवार प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह सिर्फ एक विचार नहीं है, यह हमारा संकल्प है। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि, "हम इस संबंध में सभी प्रक्रियाओं को गतिशील रूप से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।" शिव जयंती के अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की स्मारक पर माल्यार्पण कर जयंती समारोह पर महाराज की यादों को याद किया। इस अवसर पर भाजपा नेता विजय राऊत, अनिल फुलझेले, दशरथसिंह ठाकुर, पूर्व महापौर अंजली घोटेकर, संदीप आवारी, रवि आसवानी, रघुवीर अहीर, तुषार मोहुर्ले, पूर्व नगरसेविका वंदना तिखे, वनिता डुकरे, पूर्व नगरसेवक देवानंद वधई, रवि लोनकर, प्रशांत चौधरी, विकास खाती, अरुण तिखे, शेखर शेट्टी, विनोद शेरकी, रमेश भूते, तेजा सिंह, वंदना हाटगांवकर, सविता डंढारे, प्रमोद शास्त्रीकर, वंदना हजारे, कौसर खान, विमल काटकर, संगीता लोखंडे, प्रवीण गिलबिले, मीना गरडवा, राजू घरोटे, ईश्वर विरुतकर, आशा मोगरे, रेणु घोडेस्वर सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा, "शिवाजी की अश्वारोही प्रतिमा सिर्फ एक स्मारक नहीं है, बल्कि यह हमारे गौरव और प्रेरणा का स्तंभ होगी।" इस प्रतिमा को देखकर हमारी पीढ़ियां शिवाजी के पराक्रम को याद करेंगी, उनके विचारों को आत्मसात करेंगी और हमारी संस्कृति की झलक पाएँगी। यह प्रतिमा हमारे इतिहास की साक्षी और भविष्य के लिए प्रेरणा होगी। इससे संबंधित सभी प्रक्रियाएं तेजी से चल रही हैं। शिव भक्त रामकुमार अक्कापेल्लीवार ने इस संबंध में लगभग सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली हैं। अंतिम कुछ परमिट प्राप्त करने के लिए काम चल रहा है और हाल ही में नगर निगम में एक बैठक आयोजित की गई थी और प्रशासन को जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि इसका उद्देश्य सिर्फ स्मारक बनाना नहीं है, बल्कि इसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने पर जोर दिया जाएगा ताकि यह भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन सके। छत्रपति शिवाजी महाराज शक्ति, वीरता और न्याय के आदर्श थे। हम सभी को मिलकर उनका स्मारक बनाने के लिए काम करना होगा।

शिवाजी सिर्फ एक व्यक्ति या एक समूह के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे महाराष्ट्र और पूरे भारत के लिए प्रेरणास्रोत हैं। शिवाजी की प्रतिमा न्यायपूर्ण शासन की याद दिलाएगी और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हम सब मिलकर इस स्मारक के निर्माण का संकल्प पूरा करें और भविष्य में यह भूमि सिर्फ एक स्मारक न बने, बल्कि प्रेरणा, सम्मान और इतिहास की उज्ज्वल स्मृतियों का केंद्र बने, इसके लिए हम सब प्रयास करेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिव भक्त उपस्थित थे।

शिवाजी की जयंती पर ऋषभ शेट्टी की फिल्म का नया पोस्टर रिलीज

छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती पर इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'छत्रपति शिवाजी महाराज' के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ - गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के 'स्वराज्य' का सपना दिखाने वाली है।

हानिया आमिर के साथ काम कर रहे दिलजीत

दिलजीत दोसांझ एक बेहतरीन सिंगर हैं और वो अपनी परफॉर्मेंस से दिल जीत लेते हैं. उनके म्यूजिक और गानों ने लोगों के दिलों पर कब्जा किया है. लेकिन उनके अगले प्रोजेक्ट के लिए अटकलें शुरू हो गई हैं. ऐसी खबरें आ रही हैं कि वो अपने अगले प्रोजेक्ट में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ नजर आने वाले हैं. अगर सच में ऐसा है तो फैन्स दोनों को साथ में देखने के लिए बेताब होते नजर आ रहे हैं.

दरअसल हाल ही में दिलजीत दोसांझ ने कई सारी फोटोज की एक सीरीज सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी. इन फोटोज में वो ब्लैक ट्राउजर, हुडी, रेड जैकेट, रेड और व्हाइट कैप लगाकर स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे थे. उन्होंने कैमरे के सामने अलग-अलग पोज मारे, लेकिन जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया वो आखिरी स्लाइड थी. इस स्लाइड में बहुत सुंदर नेचुरल सीन दिख रहा था. इसमें लंबे-लंबे पेड़, शांत सी झील और जंग नजर आ रहे थे. अब दिलचस्प बात ये थी हानिया आमिर ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सेम फोटो पोस्ट की थी, जिसमें लंबे पेड, खूबसूरत झील के आसपास जंगल नजर आ रहा है. इसे मिस्टीरिस बनाते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया, "आखिर ये क्या है." इसी फोटो के सामने आने बाद अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं कि दोनों किसी प्रोजेक्ट में साथ में नजर आ सकते हैं. इससे पहले शनिवार को लंदन में जब दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट हुआ था इस दौरान हानिया ने एक सच्चे फैनगर्ल पल अनुभव किया. इस दौरान सिंगर ने उनको स्टेज पर बुलाकर सभी को आश्चर्य में डाल दिया था और इससे ये शाम बहुत खास बन गई.a

निमरत कौर ने महाकुंभ में संगम में डुबकी लगाई

एक्ट्रेस निमरत कौर प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ पहुंचीं, जहां उन्होंने संगम में डुबकी लगाई। एक्ट्रेस ने लंबा-चौड़ा पोस्ट कर तमाम तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि वह शब्दों में इस अनुभव को बयां नहीं कर सकतीं। उन्होंने न सिर्फ त्रिवेणी में स्नान किया। बल्कि बड़े हनुमान मंदिर जाकर बजरंग बली का आशीर्वाद लिया और अक्षयवट किला भी गईं। साथ ही उन्होंने हेलिकॉप्टर और स्टीमर में बैठकर शहर के नजारे का लुफ्त उठाया।निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को आध्यात्मिक यात्रा की झलक दिखाई। 'स्काई फोर्स' फेम एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर ढेरों तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। जहां वह गंगा मैया की पूजा अर्चना से लेकर रुद्राक्ष मंदिर में आरती करती दिखाई दीं। कुछ में उन्होंने स्टीमर और हेलीकॉप्टर में बैठकर फैंस को शहर दिखाया। किले में भी गईं, जहां आम इंसान को जाने की इजाजत नहीं। तस्वीरों और वीडियो के जरिए निमरत ने महाकुंभ की खूबसूरती को कैमरे में कैद किया। एक वीडियो में निमरत पूरी तरह से भक्ति भाव में डूबी हुई आरती करती दिखाई दीं। उन्होंने लंबे-चौड़े कैप्शन में लिखा कि सिख परिवार में पले-बढ़े होने के कारण उनके लिए कुंभ मेले में स्नान करने का महत्व उनके लिए नया कॉन्सेप्ट है। उन्हें पौराणिक कथाओं और इतिहास में गहराई से उतरने का मौका मिला।

एल्विश ने 'शराब वाली आंटी' का किया भंडाफोड़

एल्विश यादव ने हाल ही में जयपुर में एक महिला पर आरोप लगाया कि वो शहर में रात 8 बजे के बाद अवैध रूप से शराब बेचती हैं। अपने हालिया व्लॉग में, 'बिग बॉस ओटीटी 2' विनर ने दावा किया कि शहर में एक 'आंटी' हैं, जो बैन हुए समय के दौरान भी शराब बेचती हैं। एल्विश ने वीडियो में कहा, 'मेरे दोस्त को जयपुर में शराब की ज़रूरत थी, लेकिन उसे रात 8 बजे के बाद शराब नहीं मिली। किसी ने हमें बताया कि एक 'आंटी' शराब बेचती है। वह सड़क किनारे बाल्टी रखकर शराब बेच रही थी। जयपुर के कई लोग यह जानते होंगे। यूट्यूबर ने आगे कहा, 'प्रताप नगर नाम की एक जगह है, जहां यह आंटी बाल्टी लेकर बैठती है। उसके पास अद्धा-पौव्वा में सबकुछ है... अगर किसी को इसकी ज़रूरत है, तो वे इसे उनसे ले सकते हैं। मैंने सभी शराबियों की मदद की है!' हालांकि, वीडियो ऑनलाइन शेयर किए जाने के तुरंत बाद, जयपुर पुलिस ने इस पर संज्ञान लिया और कार्रवाई की। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारी अब शहर में रात 8 बजे के बाद अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर शिकंजा कसने के लिए पूरे शहर में छापेमारी कर रहे हैं।जयपुर में रात 8 बजे के बाद शराब की बिक्री पर प्रतिबंध है। इस फैसले की घोषणा 2019 में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की थी। यह फैसला एल्विश यादव पर सोशल मीडिया पर एक फर्जी वीडियो शेयर करने और राजस्थान पुलिस की छवि खराब करने का आरोप लगने के कुछ दिनों बाद आया है। यूट्यूबर ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें उसने दावा किया था कि जब वह जयपुर जा रहे थे तो राजस्थान पुलिस के अधिकारी उन्हें एस्कॉर्ट कर रहे थे

'बॉर्डर 2' की शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन

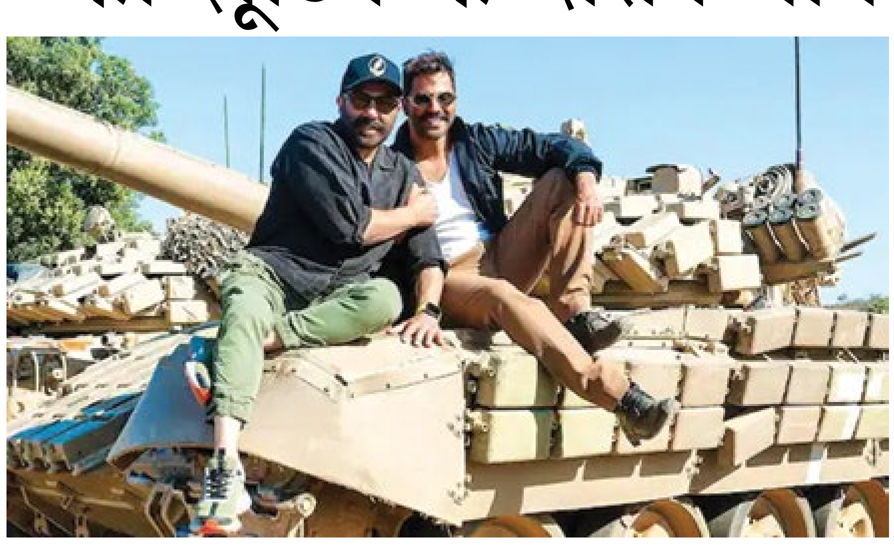

नई दिल्ली. बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। उन्होंने अपनी चोट की फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर की है।अभिनेता ने अपनी चोट की तस्वीर शेयर की है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की इस फोटो में वरुण धवन की उंगली में गहरा कट दिखाई दे रहा है। बॉर्डर 2 की शूटिंग के लिए वे इन दिनों झांसी में शूटिंग कर रहे हैं।सोशल मीडिया पर फिल्म की शुरुआत की जो तस्वीर शेयर की गई है,

उसमें निर्देशक अनुराग सिंह, निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता और सह-निर्माता शिव चनाना और बिनॉय गांधी भी देओल के साथ पोज देते नजर आए। सनी देओल का किरदार 'बॉर्डर 2' में कैसा रहेगा फिलहाल ये तय नहीं है। फिल्म के लिए सनी देओल और वरुण धवन ने शूटिंग शुरू कर दी। दिलजीत दोसांझ ने अभी तक फिल्म की शूटिंग शूरू नहीं की है, वे जल्द ही टीम ज्वाइन करने वाले हैं। 'बॉर्डर 2' वीरता और साहस की कहानी है। पहली फिल्म की तरह ही दूसरी फिल्म को भी भव्य बनाने की कोशिश निर्माता कर रहे हैं। खबरों की मानें तो यह फिल्म अगले साल 23 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। इससे पहले वरुण धवन को बेबी जॉन और सिटाडेल हनी बनी में देखा जा चुका है। 'बॉर्डर 2' भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता की पावरहाउस प्रोडक्शन टीम द्वारा निर्मित है। जेपी दत्ता की जेपी फिल्म के सहयोग से गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत और अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित है। 'बॉर्डर 2' 1999 के कारगिल युद्ध पर आधारित लगती है। 1999 की शुरुआत में पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करके घुसपैठ की और ज्यादातर कारगिल जिले में भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया।

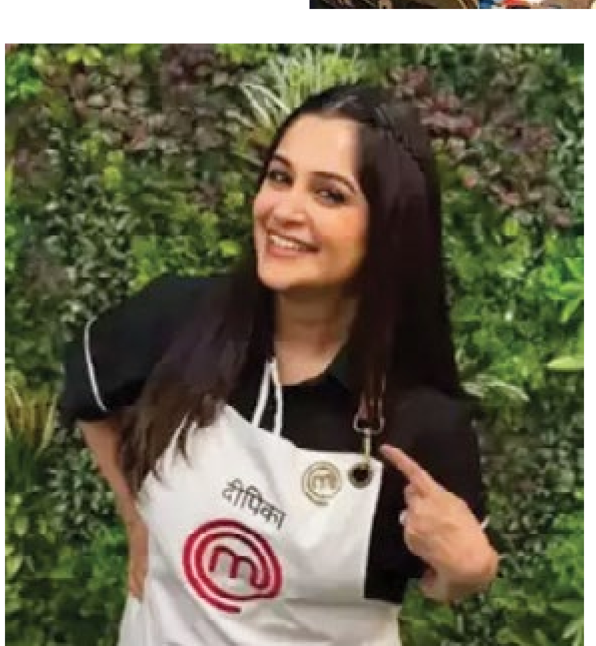

दीपिका कक्कड़ ने 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' छोड़ा

'बिग बॉस 12' की विनर दीपिका कक्कड़, जो 'ससुराल सिमर का' से फेमस हुईं। वह इन दिनों 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आ रही थीं, उन्होंने इस शो को छोड़ दिया है। इस साल उन्होंने छोटे पर्दे पर कमबैक किया था लेकिन वह इसका हिस्सा नहीं हैं।

जिससे फैंस निराश हो गए हैं। अब इसका क्या कारण है, आइए बताते हैं।इंडिया फोरम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका कक्कड़ अब 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' का हिस्सा नहीं हैं। पहले वह होली स्पेशल एपिसोड की शूटिंग से गायब थीं। जिससे अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ तो गड़बड़ है। मगर अब फाइनली वह जा चुकी हैं। सेट से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से पोर्टल ने पुष्टि की है कि एक्ट्रेस ने स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण कुकिंग शो को छोड़ा है।दीपिका के पति शोएब इब्राहिम ने पहले अपने व्लॉग में बताया था कि एक्ट्रेस को हाथ में बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है। उन्हें हाथ में चोट आई है। व्लॉग में वह स्लिंग पहने हुए नजर आई थी। मेडिकल चेकअप में पता चला कि दर्द पुरानी चोट के कारण है और डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। हालांकि पहले एक्टर ने कहा था कि शूटिंग जारी रखने की कोशिश करेंगी लेकिन शायद अब वह नहीं कर पाएंगी।

'दिमाग और आत्मा से मरा हुआ समाज

नई दिल्ली. विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' इस समय सिनेमाघरों में छाई हुई है। इसे लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की है, जिसमें वह 'छावा' फिल्म पर दर्शकों की आ रही प्रतिक्रियाओं को लेकर टिप्पणी करते हुए उसे महाकुंभ में हुई घटना से जोड़ते हुए कटाक्ष किया है।

हाल ही में अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में वह 'छावा' फिल्म को लेकर आ रही प्रतिक्रियाओं पर लिखती हैं कि लोग 500 साल पहले हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को काल्पनिक फिल्मों के जरिए दिखाए जाने पर क्रोधित हो रहे हैं। उन्हें महाकुंभ में खराब प्रबंधन की वजह से भगदड़ में हुई मौतों पर कोई क्रोध नहीं आ रहा है। वहां के शवों को बुलडोजर से हटाया गया। ये समाज दिमाग और आत्मा से मरा हुआ है।

'छावा' फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन की वीरता को दिखाय गया है। फिल्म का अंतिम सीन लोगों को भावुक कर दे रहा है। इसकी तस्वीरें और वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें महाराज पर हुए अत्याचार सीन को देखकर लोग भावुक और क्रोधित हो रहे हैं। इसी को लेकर स्वरा भास्कर ने एक्स पर लिखा है, जिसपर कुछ यूजर समर्थन कर रहे हैं, तो वहीं अन्य इसका विरोध भी कर रहे हैं।

सिद्दीकी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही

मलयालम एक्टर सिद्दीकी को साल 2024 में एक यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक एक्ट्रेस ने होटल में दुष्कर्म का आरोप लगाया था। हालांकि, एक्टर को अग्रिम जमानत मिल गई थी, पर मामले की जांच के लिए गठन किया गया था।

अब इस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को एक्टर के खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं। इन सबूतों के आधार पर सिद्दीकी को दोषी माना है। एसआईटी अब जल्द ही अपनी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करेगी। लेकिन जब तक टीम को क्राइम ब्रांच की तरफ से हरी झंडी नहीं मिलेगी, वह तब तक रिपोर्ट नहीं सौंपेगी। 'दैनिक भास्कर' की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच में में सामने आया कि एक्ट्रेस रेवती संपत ने हेमा कमेटी की रिपोर्ट आने से पहले ही एक्टर सिद्दीकी पर यौन शोषण का आरोप लगाया था और इस बारे में बात की थी। लेकिन तब सिद्दीकी ने कथित तौर पर एक्ट्रेस को धमकाते हुए कहा था कि चूंकि वह मशहूर नहीं हैं, इसलिए उनकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा। उधर, कोर्ट ने साल 2024 में एक्टर सिद्दीकी को अग्रिम जमानत देते हुए एक्ट्रेस रेवती को गलत ठहराया था। कोर्ट ने सवाल उठाया था कि एक्ट्रेस ने 8 साल पुराने मामले के बारे में सोशल मीडिया पर तो बात की, पर वह पुलिस के पास क्यों नहीं गई थीं। यह भी सवाल किया था कि उन्होंने 2018 में 14 लोगों के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, पर हेमा कमेटी से अपनी शिकायत क्यों नहीं की?

पीसीबी से विवाद के बाद कराची में लहराया भारत का तिरंगा

कराची. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कराची और लाहौर के स्टेडियम में सभी टीमों के झंडे लहराए थे लेकिन भारत का झंडा नदारद था. अब कराची के नेशनल स्टेडियम में भारत का तिरंगा लहरा रहा है. हाल ही में इस मुद्दे पर काफी बवाल हुआ था. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हाल ही में विवादों में आ गया था और इसकी वजह थी कि उसने कराची और लाहौर के स्टेडियम में 7 टीमों का झंडा लगाया लेकिन भारत का झंडा वहां नहीं लगाया गया लेकिन अब एक ताजा फोटो सामने आई है जिसमें कराची के नेशनल स्टेडियम में भारत का तिरंगा लहराता हुआ दिख रहा है. कराची के नेशनल स्टेडियम में ही चैंपियंस ट्रॉफी का पहला मैच होगा. जिसमें पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टक्कर होगी और

इस मुकाबले से पहले ही वहां तिरंगा लहरा गया है. पीसीबी उस वक्त विवादों में आ गई थी जब उसने भारत का झंडा स्टेडियम में नहीं लगाया. इसके बाद उसकी सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हुई. ऐसा कहा गया कि चूंकि भारतीय टीम पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के मैच नहीं खेल रही है इसलिए पीसीबी ने ये फैसला लिया है लेकिन अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बैकफुट पर आना पड़ा है.

लगा दिया था उल्टा तिरंगा

कराची के नेशनल स्टेडियम में भारत का झंडा लगा तो दिया गया है लेकिन इसे लगाने से पहले भी एक बड़ी गलती हुई थी. कराची के मैदान में काम करने वाले लोगों ने वहां उल्टा तिरंगा लगा दिया था. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. हालांकि अच्छी बात ये है कि इस गलती को सुधार लिया गया.

पाकिस्तान के लिए बड़ा दिन

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा मौका है. पूरे 29 सालों के बाद पाकिस्तान किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है.

मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली.

नेट सायबर ब्रंट (दो विकेट/57रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत मुंबई इंडियंस ने मंगलवार को वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पांचवें मुकाबले में मंगलवार को 23 गेंदे शेष रहते गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। गुजरात जायंट्स के 120 के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गवां दिया।

हेली मैथ्यूज (17) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया मिश्रा ने यास्तिका भाटिया (आठ) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (चार) रन बनाकर आउट हुई। एमेलिया केर (19) रन बनाकर आउट हुई।

नेट सायबर ब्रंट ने 39 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। संजीवन सजना (10) रन बनाकर नाबाद रही। मुम्बई इंडियंस ने 16.1 ओवर में 122 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। गुजरात की ओर से काश्वी गौतम और प्रिया मिश्रा ने दो- दो विकेट लिये। तनुजा कंवर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका ने ओमान को हराकर वनडे में सबसे कम स्कोर का किया बचाव

नई दिल्ली.

क्रिकेट विश्व लीग दो के मुकाबले में अमेरिका ने ओमान को 57 रन से हराकर वनडे में 122 रन के सबसे कम स्कोर का बचाव करने का रिकॉर्ड बनाया। यह विश्व रिकॉर्ड भी है। वनडे क्रिकेट में आए दिन नए रिकॉर्ड्स बनते हैं, लेकिन नई नवेली अमेरिका की टीम ने जो किया है वह किसी अजूबे से कम नहीं है। दरअसल, अमेरिका ने ओमान के खिलाफ सबसे कम ओवर के स्कोर का बचाव करते हुए मुकाबला जीत लिया और इतिहास रच दिया। मंगलवार को क्रिकेट विश्व लीग दो के मुकाबले में अमेरिका ने ओमान को 57 रन से हराकर वनडे में 122 रन के सबसे कम स्कोर का बचाव

करने का रिकॉर्ड बनाया। यह विश्व रिकॉर्ड भी है।

सबसे कम वनडे स्कोर का किया बचाव

पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में यह सबसे कम स्कोर है जिसका बचाव किया गया है। इसमें हालांकि कम ओवरों के मुकाबले या संशोधित लक्ष्य वाले मुकाबले शामिल नहीं हैं। अमेरिका ने स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों में बाएं हाथ के स्पिनर नोशतुष केनजिगे (11 रन पर पांच विकेट) की फिरकी के जादू से मेजबान ओमान को सिर्फ 65 रन पर ढेर कर दिया।

केनजिगे के अलावा ऑफ स्पिनर मिलिंद कुमार (17 रन पर दो विकेट) और यासिर मोहम्मद (10 रन पर दो विकेट) ने भी दो-दो विकेट चटकाए। यह ओमान का पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर है।अमेरिका ने बनाए थे 122 रन पूरे मैच के दौरान तेज गेंदबाजों ने एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। ओमान की टीम पांच स्पिनरों के साथ उतरी जबकि अमेरिका के स्पिनरों केनजिगे, मिलिंद, यासिर और हरमीत को उतारा। इससे पहले अमेरिका ने मिलिंद की 47 रन की पारी की बदौलत 35.3 ओवर में 122 रन बनाए।

भारत-बांग्लादेश मैच की पिच पर अभी भी संदेह

नई दिल्ली.

भारत और बांग्लादेश की टीमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने पहले मैच में भिड़ने के लिए तैयार हैं. आज दोनों का सामना दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा. इस मुकाबले से ठीक एक दिन पहले पिच की तस्वीर सामने आई है जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया है. दरअसल पिच की जो तस्वीर सामने आई है उसमें दस स्ट्रिप्स (पिचें) हैं. अभी तक ये साफ नहीं हो पाया है कि भारत और बांग्लादेश का मैच आखिर किस पिच पर खेला जाएगा. भारत और बांग्लादेश के बीच खेले जाने वाले मैच में 20 घंटे का भी समय नहीं बचा है. मैच के लिए तैयारियां की जा रही है. पिच भी तैयार की जा रही है और इस पर रोलर भी लिया गया. हाल ही में यूएई में आईएलटी 20

लीग खेली गई थी. इसके 15 मैच दुबई में इसी मैदान पर खेले गए थे. जब टीम इंडिया के मुकाबलों के लिए दो पिचों का इस्तेमाल नहीं किया गया था.

उन्हीं दो में से एक पिच पर भारत और बांग्लादेश का मैच खेला जाना है. इस मैच के लिए नई पिच का इस्तेमाल किया जाएगा. लेकिन तस्वीर से ये अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि वो पिच कौन सी है.

कुछ दिनों पहले पीटीआई के एक सूत्र ने बताया था कि नई पिच के इस्तेमाल के चलते गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को ही बराबर मदद मिलेगी.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत का पहला मुकाबला बांग्लादेश से

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम अब अपना अभियान शुरू करने जा रही है. आज बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेलेगी. दुबई में होने वाले इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने तैयारियों और टूर्नामेंट की अहमियत को लेकर अपने मन की बातें रखीं. इस दौरान भारतीय कप्तान ने टीम के 4 खिलाड़ियों पर खास जोर दिया और कहा कि उन्हें अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा. पाकिस्तान में बुधवार को चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज हो गया, जहां पहले मैच में ग्रुप ए से पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं. टूर्नामेंट का दूसरा मैच भी इस ग्रुप से ही गुरुवार को खेला जाना है, जिसमें भारत का सामना बांग्लादेश से होगा. इस मैच से एक दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सवालों के जवाब दिए और बताया कि टीम इंडिया इस टूर्नामेंट

को भी बाकी अन्य सीरीज की तरह ही खेलेगी क्योंकि वो सबको पूरी अहमियत देती है.इस दौरान भारतीय कप्तान ने उस पहलू पर काफी जोर दिया, जो शुरू से ही हर किसी की नजरों में है और ये है टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाजी. भारतीय कप्तान ने सबके सामने अपने 4 बल्लेबाजों को सीधा संदेश दे दिया कि उन्हें दमदार प्रदर्शन करना ही होगा और इन 4 बल्लेबाजों में खुद रोहित भी शामिल हैं. भारतीय कप्तान ने कहा, “आपके टॉप-4 को बड़े स्कोर करने की जरूरत है.” जाहिर तौर पर कप्तान रोहित का इशारा स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, उप-कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और खुद अपनी ओर था, जो टीम इंडिया की बैटिंग के शीर्ष-चार बल्लेबाज हैं.इन चारों ही बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में कुछ दमदार पारियां खेली थीं. जहां शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने तीनों मुकाबलों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए, वहीं कप्तान रोहित शर्मा 2 मुकाबलों में नाकाम रहे लेकिन एक मैच में धुआंधार शतक भी उनके बल्ले से निकला. वहीं एक मैच में नाकाम रहे विराट ने भी अगले मैच में दमदार अर्धशतक जमाया था.

भारत की डिफेंस और अटैक में कमी, जर्मनी से करारी शिकस्त

नई दिल्ली.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेहद खराब रहा है। अब तक खेले गए तीन मुकाबले में भारत को दो में हार का सामना करना पड़ा है। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-4 से भारत को करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की इस मैच में ना तो डिफेंस अच्छी नहीं और ना ही अटैक।

भारत की टीम ने इस मैच में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया। पहला गोल करने के बाद एक भी गोल और नहीं कर सके। ना ही गोल बचाने में कामयाब हुए। इस मैच में फ्लोरियन स्पर्लिंग ने सातवें मिनट में गोल करके जर्मनी को बढ़त दिला दी लेकिन गुरजंत सिंह (13वें मिनट) ने छह मिनट के भीतर भारत को बराबरी

पर ला दिया। लेकिन उसके ठीक बाद जर्मनी के थिस प्रिंज ने 14वें मिनट में गोल करके बढ़त बना ली। पहले क्वार्टर में कुल तीन गोल हुए। जिसमें दो जर्मनी ने और एक भारत ने किया।

दूसरे और तीसरे क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई लेकिन चौथे क्वार्टर में जर्मनी ने भारत के डिफेंडरों की गलतियों का फायदा उठाकर दो गोल दागे और बड़ी जीत हासिल की। जर्मनी की तरफ से चौथे क्वार्टर में मिशेल स्टूथॉफ (48वें) और राफेल हार्टकोफ (55वें) ने गोल किए। इस मैच में सीनियर डिफेंडर अमित रोहिदास ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं थे। यह पता नहीं चल पाया कि हरमनप्रीत सिंह शुरू में मैदान में क्यों नहीं उतरे।

भारतीय टीम ने मुकालबे के दौरान नहीं कर सकी सुधार

हरमनप्रीत को हालांकि भारत के दूसरे मैच में विश्राम दिया गया था। अपने आखिरी मुकाबले में स्पेन पर 2-0 से जीत के बाद इस मैच में उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मध्यांतर के बाद भारत को सर्कल के अंदर अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत थी, लेकिन जर्मन टीम ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारत ने गोल करने के प्रयास किए लेकिन जर्मनी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। इसके बजाय जर्मनी ने चौथे और अंतिम क्वार्टर में सात मिनट के भीतर दो बार गोल करके मैच अपने पक्ष में कर लिया। भारत की तीन मैचों में यह दूसरी हार है।

छोटे कद को ताकत बनाकर बबीता ने स्वीमिंग में किया कमाल

नई दिल्ली.

कहते हैं अगर इंसान में कुछ कर गुजरने की चाह हो वह क्या नहीं कर सकता, इस कहावत को सीखकर जिले में रहने वाली बबीता महला ने चरितार्थ कर दिखाया है. ढाई फीट के कद वाली बबीता ने स्टेट स्वीमिंग में गोल्ड सहित छह मेडल जीतकर उन लोगों को जवाब दिया है, जो उसे कहते थे तू जिंदगी में कुछ नहीं कर सकती.

घिरराणियां बड़ा गांव की रहने वाली बबीता 21 साल की है. बबीता ने इस उम्र में वो मुकाम हासिल कर दिखाया है जिसे करने का लोग सोचते भी नहीं हैं. शारीरिक कमी को बबीता महला ने ताकत बनाते हुए खेलों में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर ली है. उनकी लंबाई ढाई फीट है और इस कारण उन्हें बचपन से ही ताने

सुनने पड़े थे.उन्होंने तानों से परेशान होने की जगह इनसे प्रेरणा ली और स्टेट स्वीमिंग में गोल्ड सहित छह मेडल जीतकर दिखाए. अब उनका चयन अक्टूबर में होने वाली नेशनल प्रतियोगिता में हुआ है. अब बबीता इस टूर्नामेंट की तैयारी में जुटी हुई हैं. उनका कहना है कि नेशनल में गोल्ड मेडल जीतकर मैं सभी को करार जवाब दूंगी, जो मुझे ताने सुनाते थे.बबीता के पिता भंवरलाल खेती करते हैं और मां सोहनी देवी गृहिणी हैं. बबीता ने बताया कि छोटा कद होने के कारण शुरू से ही मेरा मजाक उड़ाया जाता रहा है. रिश्तेदारों व पड़ोसियों के अलावा स्कूल में भी मुझे बौनी या नाटी बुलाया जाता था. शुरू में तो मुझे परेशानी हुई, फिर मैंने ऐसे लोगों की अनदेखी शुरू कर दी. सोचा कि जो लोग मेरे कद पर हंसते हैं, कुछ बड़ा करते हुए उन्हें जवाब देना है.बबीता ने पढ़ाई के साथ ही खेल को भी चुना. छोटा कद होने से मैंने एक जगह खड़े होकर खेलने की तैयारी की. शॉट पुट व डिस्कस थ्रो का अभ्यास किया. 2021 में जयपुर के स्टेट टूर्नामेंट में जाने का मौका मिला और दो सिल्वर मेडल जीते. इसी टूर्नामेंट में सीनियर खिलाड़ियों ने बताया कि खेलों में आसानी से कॅरियर बनाना है तो स्वीमिंग सीखनी होगी. क्योंकि तैराकी में लड़कियों की संख्या कम है.

मिलिंद रेगे के निधन पर क्रिकेट जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली. रणजी ट्रॉफी में मुंबई के पूर्व कप्तान और पूर्व सेलेक्टर मिलिंद रेगे की आज बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मिलिंग ने 76 साल की उम्र में आखिरी सांस ली है। हार्ट अटैक आते ही उन्हें आनन-फानन में ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने सुबह 6 बजे दम तोड़ दिया। मिलिंद ने रविवार को ही अपना जन्मदिन मनाया था। उनके निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने उनके निधन पर जारी बयान में कहा कि मिलिंद रेगे सर के निधन पर गहरा दुख हुआ। उन्होंने मुंबई क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी, चयनकर्ता और संरक्षक के रूप में अमूल्य योगदान दिया। मिलिंग रेगे भारतीय पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर

के बचपन के दोस्त थे। गावस्कर ने उन्हीं के साथ स्कूल से लेकर कॉलेज तक की पढ़ाई की। इसके साथ ही वह दादर यूनियन स्पोर्टिंग क्लब में साथ खेले। मुंबई घरेलू क्रिकेट में वह सबसे प्रतिष्ठित शख्सियतों में से एक थे। सचिन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर में भी उनका अहम योगदान रहा। उन्होंने कई प्रतिभाओं को निखारा और अपने करियर के दौरान कई अहम किरदार भी अदा किए। बतौर क्रिकेट सलाहकार वह मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े रहे।

मिलिंद रेगे का क्रिकेट करियर

मिलिंद रेगे के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने मुंबई के लिए काफी क्रिकेट खेला और रणजी ट्रॉफी में मुंबई के कप्तान की भूमिका भी निभाई। उन्होंने 1966-67 और 1977-78 के बीच कुल 52 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले। दाएं हाथ के इस ऑफ-ब्रेक गेंदबाज ने कुल 126 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा टीम के लिए बल्ले से भी अहम योगदान देते हुए उन्होंने 23.56 के औसत से 1,532 रन बनाए।

काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे खिलाड़ी

बता दें कि मिलिंद रेगे का निधन ऐसे समय हुआ है, जब मुंबई की टीम नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2024-25 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेल रही है। मिलिंद रेगे के सम्मान में इस मैच के तीसरे दिन सभी खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे हैं।

सनातन के आयोजन को भव्यता से करना कोई अपराध है ? सीएम योगी

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के बजट सत्र के दूसरे दिन सीएम योगी ने महाकुंभ को लेकर बड़ी बात कही और विपक्ष पर करारा प्रहार किया। सीएम योगी बोले... ये लोग महाकुम्भ का विरोध पहले दिन से कर रहे थे। पिछले सत्र में हम चर्चा करवाने को तैयार थे, लेकिन इन्होंने चर्चा में भाग नही लिया, भाग खड़े हुए। सनातन के आयोजन को भव्यता से करना क्या कोई अपराध है,अगर है तो इसको हमारी सरकार कर रही है, आगे भी करेगी.

सीएम ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पहले बयान दिया कि इतना पैसा और इतना विस्तार देने की क्या जरूरत है? सपा के सोशल मीडिया हैंडल देखें तो वहां की भाषा उनके संस्कारो को प्रदर्शित करता है, यह भाषा किसी सभ्य समाज की नही हो सकती। ये लोग अकबर का किला जानते थे, लेकिन अक्षयवट और सरस्वती कूप नही जानते थे। इनका बयान है जो सरकार स्नान के आंकड़े बता रही है, मरने वालों का आंकड़ा भी बता दें? भतीजा गया, चच्चू नहीं जा पाए, सीएम ने तंज कसा कि महाकुंभ में भतीजा तो चला गया, नहा आया लेकिन चच्चू फिर नहीं जा पाए, अरे पाण्डेय जी (माता प्रसाद क़ो) आप लेके जाइये चच्चू क़ो, 2013 मे नहीं गए तो क्या हुआ, 2025 मे जाइये। सनातन धर्म के आयोजन में कोई भूखा नही रहा, महाकुंभ में जो आया वो भूखा नही गया, प्रयागराज काशी अयोध्या ने अतिथि देवो भवः का प्रमाण प्रस्तुत किया, जो लोग इसपर दुष्प्रचार कर रहे हैं, वो जनता देख रही है,जनता जनार्दन तमाम दुष्प्रचार के बाद मान नही रही है। आप दूसरों को उपदेश दे रहे हैं, खुद चुपके से स्नान करके चले आ रहे हैं, भतीजे तो चले गए,चाचू को छोड़ गए.

घोटालों में शामिल लोगों को भारत रत्न देने का कोई प्रावधान नहीं

पटना.

बिहार के सत्तारूढ़ जनता दल (यू) ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव द्वारा अपने पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को भारत रत्न दिए जाने की वकालत किये जाने को मंगलवार को 'हास्यास्पद' करार दिया है। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, “लालू प्रसाद के बेटे द्वारा उनके लिए भारत रत्न दिए जाने की वकालत करना हास्यास्पद है। वह (तेजस्वी यादव) अपने परिवार से आगे नहीं सोच सकते।'' राजीव रंजन ने कहा, ''उन्हें (तेजस्वी) यह पता होना चाहिए कि भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यह उन लोगों को नहीं दिया जाता जो घोटालों में शामिल रहे हों ।'' उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को यह समझना चाहिए कि महान व्यक्तियों को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। घोटालों में शामिल व्यक्तियों को भारत रत्न देने का कोई प्रावधान नहीं है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू)के विधान पार्षद और प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी द्वारा लालू यादव को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने की मांग पर कहा, “अगर भ्रष्टाचार और जेल की सजा काटने के लिए कोई पुरस्कार होता तो लालू जी निश्चित रूप से इसके लिए प्रयास कर सकते हैं।” लालू प्रसाद को चारा घोटाले से जुड़े कई मामलों में दोषी ठहराया गया है, इसके अलावा रेलवे में होटलों के लिए भूमि और नौकरियों के लिए भूमि घोटाले में भी उनका नाम आया है.

ऐसे रिश्तों को मान्यता मिलनी चाहिए

युवाओं के प्रेम से जुड़े मामले को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली. दिल्ली हाई कोर्ट ने किशोरों के प्रेम से जुड़े आपराधिक मामलों में एक अहम बात कही है। दिल्ली हाई कोर्ट ने इन मामलों में दंड की जगह विवेकपूर्ण निर्णय को प्राथमिकता देने के लिए एक नरम रुख अपनाने की वकालत की। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि किशोरों के बीच प्रेम स्वाभाविक और मानवीय विकास का हिस्सा है और इसे दंडित करने की बजाय सम्मान और सहमति से बने रिश्तों को मान्यता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किशोरों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने और बिना किसी अपराधीकरण के भय के संबंध बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए। न्यायाधीश ने 30 जनवरी को पारित और 14 फरवरी को उपलब्ध कराए गए आदेश में कहा, "प्रेम एक स्वाभाविक मानवीय अनुभूति है और किशोरों को भावनात्मक संबंध बनाने का अधिकार होना चाहिए, बशर्ते वे सहमति से बने हों और उनमें कोई दबाव या शोषण न हो।" उन्होंने यह भी कहा कि कानून का ध्यान प्रेम को दंडित करने की बजाय, शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने पर होना चाहिए।

अदालत ने कहा, "सहमति की कानूनी उम्र नाबालिगों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, मुझे लगता है कि किशोरों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने और अपराधीकरण के डर के बिना संबंधों में शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए।' यह निर्णय एक मामले के संदर्भ में आया, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट ने यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत आरोपी व्यक्ति को बरी करने वाले निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया। यह मामला दिसंबर 2014 का था, जब एक लड़की के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी.

यूपी की जेलों में बंद कैदियों के भी धुलेंगे पाप

संगम के गंगाजल से स्नान करने का मिलेगा मौका

लखनऊ.

एक अनूठी और आध्यात्मिक पहल के तहत, उत्तर प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों को प्रयागराज के संगम के पवित्र जल से स्नान करने का अवसर मिलेगा, जहां महाकुंभ चल रहा है। राज्य का जेल प्रशासन कैदियों के लिए संगम से पवित्र जल लाने की खातिर विशेष व्यवस्था कर रहा है, ताकि वे इस आयोजन में भाग ले सकें।

जेल मंत्री दारा सिंह चौहान के कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विशेष कार्यक्रम 21 फरवरी को सुबह 9:30 से 10:00 बजे तक होगा। इस दौरान, राज्य भर की सभी 75 जेलों में बंद कैदियों को संगम से लाए गए जल में स्नान की अनुमति दी जाएगी। इसमें सात केंद्रीय कारागार और 68 जिला कारागार शामिल हैं। जेलों में लाया जाएगा संगम का पानी, जेल महानिदेशक (डीजी) पीवी रामशास्त्री ने पुष्टि की कि मंत्री दारा सिंह चौहान की देखरेख में व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी जेलों में संगम का जल लाया जाएगा और कैदी प्रार्थना के बाद, जेल परिसर में विशेष रूप से स्थापित कलश (छोटा टैंक) में पवित्र जल और नियमित जल के मिश्रण से स्नान करेंगे।

जेल विभाग के अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में उप्र की जेलों में 90,000 से अधिक कैदी बंद हैं। मंत्री चौहान और वरिष्ठ जेल अधिकारियों के 21 फरवरी को लखनऊ जेल में कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। इसी तरह की पहल में, 17 फरवरी को उन्नाव जेल ने अपने कैदियों को संगम के जल से स्नान कराया।

कल कैदियों को मिलेगा मौका

जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कैदियों को पवित्र जल से स्नान कराने की योजना पर कुछ समय से विचार किया जा रहा था। सिंह ने बताया कि उन्नाव जेल के कैदियों को 21 फरवरी को फिर यह मौका मिलेगा। गोरखपुर जेल के जेलर एके कुशवाहा ने बताया कि जेल प्रशासन ने प्रयागराज से पवित्र जल लाने के लिए एक जेल प्रहरी को भेजा गया है। इस जल को नियमित स्नान के पानी में मिलाया जाएगा। प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक रंग बहादुर ने बताया कि 21 फरवरी को कैदी संगम से लाए गए गंगा जल में स्नान करेंगे। इसी तरह प्रयागराज जिला जेल में वरिष्ठ अधीक्षक अमिता दुबे ने कहा कि करीब 1,350 कैदी इस अवसर को पाने के लिए उत्साहित हैं। प्रयागराज में महाकुंभ मेला 26 फरवरी तक चलेगा।

मुरैना में 5 वर्षीय बच्चे की गोली मारकर हत्या

मुरैना. मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक पांच साल के बच्चे को विवाह स्थल के बाहर गोली मार दी गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित गप्पू शाक्य अपने परिवार के साथ जौरा कस्बे में अपनी मौसी की शादी में शामिल होने गया था, जब मंगलवार रात यह घटना घटी। पुलिस उपनिरीक्षक उदयभान यादव ने बताया कि जब वह विवाह स्थल शिवहरे धर्मशाला के बाहर खेल रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ने उसे गोली मार दी और भाग गया। उन्होंने बताया कि बच्चे की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। यादव ने बिना नाम लिए कहा कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे पकड़ने के लिए खोजबीन जारी है। उन्होंने उसका नाम नहीं बताया। उन्होंने बताया कि हत्या के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

दोबारा बीपीएससी परीक्षा कराएं: खान सर

पटना.

खान सर के नाम से मशहूर शिक्षक और यूट्यूबर फैजल खान ने बिहार लोक सेवा आयोग के सैकड़ों उम्मीदवारों के साथ मंगलवार को पटना में विरोध मार्च निकाला और 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा की फिर से परीक्षा कराने की मांग की।

छात्र 70वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की फिर से परीक्षा कराने और परीक्षा में कथित अनियमितताओं की मांग को लेकर विरोध कर रहे हैं। खान सर ने सरकार को दी चेतावनी खान सर ने बिहार सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार चाहती है कि सारी चीजें अपने हिसाब से चलें तो उन्हें तुरंत दोबारा परीक्षा का आदेश देना चाहिए। अन्यथा, वे (सरकार) नाराज उम्मीदवारों का गुस्सा झेल नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी और मैं सभी उम्मीदवारों से यह वादा करता हूं...''। खान सर ने कहा कि हमारी मांगें सीएम तक पहुंच गई हैं और हम जीत के बहुत करीब हैं।

दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी... यह हमारा विरोध 2.0 है और हम किसी भी राजनेता को हमारे विरोध में शामिल नहीं होने देंगे। मैंने सैकड़ों उम्मीदवारों के लिए कोर्ट में पैरवी करने का फैसला किया है। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। दोबारा परीक्षा से कुछ कम नहीं प्रदर्शनकारियों के साथ विरोध मार्च करते हुए खान सर ने कहा कि हमारी केवल एक मांग है - फिर से परीक्षा। इससे कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं होगा। समाचार एजेंसी से बात करते हुए खान सर ने कहा, "हमारे पास सबूत हैं कि संयुक्त सचिव कुंदन कुमार के निर्देश पर प्रश्नपत्र बदले गए थे, खासकर खगड़िया और भागलपुर में। नवादा और गया में कोषागार से प्रश्नपत्र चोरी हो गए। कोई भी हमें मुख्यमंत्री से मिलने नहीं दे रहा है। हम अधिकारियों से हमारी मांगों को सुनने का अनुरोध करते हैं। हम फिर से परीक्षा चाहते हैं। अगर नेता हमारे साथ जुड़ना चाहते हैं, तो उन्हें अपने विधायकों और सांसदों के साथ आना चाहिए।

खान सर का दावा कोर्ट में जीतेंगे छात्र

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राजनीति में शामिल होने के इच्छुक हैं, तो उन्होंने कहा, "अगर दोबारा परीक्षा की मांग करना राजनीति है, तो यह राजनीति है। हम केवल दोबारा परीक्षा की मांग करते हैं। मैं दोबारा परीक्षा होने तक छात्रों के साथ रहूंगा। हमने हाई कोर्ट में सारे सबूत पेश कर दिए हैं। छात्र जीतने वाले हैं।

आग लगी तो लपटों के साथ बालकनी से कूद गए छह लोग

नई दिल्ली. दिल्ली के नांगलोई इलाके में एक बिल्डिंग में भीषण आग लग गई और काफी तेज लपटें निकलने लगीं। आग की लपटों ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से पूरे इलाके में काफी अफरातफरी मच गई। रात में अचानक आग लगने की वजह से कई लोग बिल्डिंग में अपने अपने घर में फंस गए थे, जिनमें से आग से डरकर एक घर की बालकनी से एक एक कर छह लोगों ने दूसरी मंजिल से कूदकर अपनी जान बचाई। इतनी ऊंचाई से कूदने के बाद सबको काफी चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना का एक खौफनाक वीडियो भी सामने आया है, जो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो देखा जा सकता है कि एक इमारत में भीषण आग लगी हुई है, जो बढ़ती ही जा रही है। इस बीच नीचे फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन इसी दौरान एक एक कर छह लोग दूसरी मंजिल से कूद गए, बताया जा रहा है कि गैस लीक होने की वजह से एक घर की पहली मंजिल पर आग लग गई थी और ये आग तेजी से ऊपर की मंजिलों की ओर बढ़ रही थी। ऐसे में ऊपरी मंजिल में रहने वाले लोग काफी डर गए थे। मिली जानकारी के मुताबिक आग घर की पहली और दूसरी मंजिल पर घरेलू सामान में लगी थी। छह लोग दूसरी मंजिल से कूद गए और उन्हें पुष्पांजलि अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

धू-धू कर जल उठे स्पिनिंग मिल के गोदाम

भयंकर आग से करोड़ों का नुकसान

करनाल. करनाल के अलीपुरा गांव में स्पिनिंग मिल के गोदामो में भयंकर आग लग गई। कई घंटों से आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटी हुई हैं। गोदाम मालिक के मुताबिक इस हादसे में करोड़ों का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। करनाल के अलीपुरा गांव में स्पिनिंग मिल के तीन गोदाम अचानक से धूं-धूं कर जलने लगे। आग की लपटें काफी तेज थी। आग से इन गोदामों में रखा हुआ पदार्थ और मशीनें जलकर हुई राख हो गईं। फिलहाल आग लगने का कारणों का पता नही चला पाया है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए पानीपत से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगवाई गईं। बताया जाता है कि पहले एक गोदाम में आग लगी। धीरे-धीरे आग की लपटों ने दूसरे और तीसरे गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बताया जाता है कि आग लगने के चंद मिनटों के अंदर ही तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते तीन गोदाम आग की चपेट में आ गए। हालांकि गनीमत रही कि इस अग्निकांड में किसी की जान नहीं गई। आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। एबी इंटरनेशनल स्पिनिंग मिल के मालिक अशोक गोयल ने बताया जैसे ही हमारे कर्मचारी ने आग लगने की हमें जानकारी दी, हमने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। उन्होंने बताया कि हमारी कंपनी के पास भी आग बुझाने के यंत्र हैं लेकिन वे इस भीषण आग के सामने ठहर नहीं सके। हवा काफी तेज चल रही थी जिससे आग फैलती चली गई।

फैलाई जा रही है अफवाह: सीएम भगवंत मान

अमृतसर. दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की थी कि अब केजरीवाल क्या करेंगे? क्या केजरीवाल भगवंत मान से इस्तीफा लेकर खुद पंजाब के सीएम बन जाएंगे? इस अटकल को आज पंजाब के सीएम भगवंत मान ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के पंजाब के सीएम बनने की अफवाह उड़ाई जा रही है, इसमें थोड़ी सी भी सच्चाई नहीं है। दिल्ली चुनाव के बाद पंजाब में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के कयासों के बीच पहली बार मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुलकर बात की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं। ऐसी अफ़वाह फैलायी जा रही है। ये बातें निराधार है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

गजानन महाराज महाराष्ट्र के एक संत थे। महाराष्ट्र का शेगाँव नामक स्थान उनके कारण प्रसिद्ध है। गजानन महाराज शेगाँव (बुलढाणा जिला), महाराष्ट्र, भारत से थे, दत्तात्रेय परंपरा (संप्रदाय) के एक भारतीय गुरु थे। यह ज्ञात नहीं है कि उनका जन्म कब हुआ था, लेकिन वे पहली बार अपनी युवावस्था में, 30 वर्ष की आयु में, 23 फरवरी 1878 को प्रकट हुए थे। उनके भक्त इस दिन को गजानन महाराज के प्रकट दिवस के रूप में और ऋषि पंचमी को उनकी पुण्यतिथि के रूप में मनाते हैं। गजानन महाराज आधुनिक समय के एक महान संत हैं, जिन्होंने संदेश दिया है कि भक्ति के मार्ग से ईश्वर तक पहुंचा जा सकता है। गजानन महाराज की जीवनी दासगणू महाराज ने 'श्री गजानन विजय' नामक पुस्तक में लिखी है। संदर्भ आवश्यक श्री गजानन विजय पुस्तक का संस्कृत अनुवाद येवला, नासिक के प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान पं. डॉ. श्री प्रसाद शास्त्री कुलकर्णी द्वारा किया गया है।

ऐसे हथकड़ी और जंजीरों में जकड़े जाते हैं अवैध प्रवासी

वाशिंगटन. अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप अवैध प्रवासियों को लेकर बेहद सख्त नजर आ रहे हैं। अमेरिका भारत सहित कई देशों के अवैध प्रवासियों को उनके मुल्क भेज चुका है। इस बीच व्हाइट हाउस ने हथकड़ियों में बंधे अवैध प्रवासियों का एक नया वीडियो पोस्ट किया है। व्हाइट हाउस के आधिकारिक पेज पर पोस्ट किए गए 41 सेकंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह से अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया जाता है। डिपोर्ट किए जाने से पहले किस तरह की तैयारी की जाती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक पुलिस अधिकारी प्रवासी शख्स को हथकड़ियां लगा रहा है। वीडियो में डिपोर्ट किए जाने वाले शख्स का चेहरा नहीं दिखाया गया है लेकिन उसके हाथों हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां नजर आ रही हैं। एयरपोर्ट पर हथकड़ियां और चेन रखी देखी जा सकती हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाक को जमकर लताड़ा

> पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र

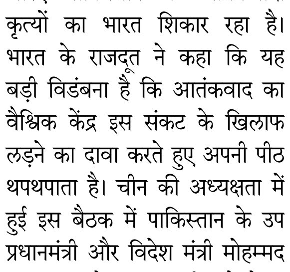

संयुक्त राष्ट्र. संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। भारत ने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के जरिए पाकिस्तान के आतंकवादी कृत्यों का भारत शिकार रहा है। भारत के राजदूत ने कहा कि यह बड़ी विडंबना है कि आतंकवाद का वैश्विक केंद्र इस संकट के खिलाफ लड़ने का दावा करते हुए अपनी पीठ थपथपाता है। चीन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने जम्मू कश्मीर को लेकर टिप्पणी की थी। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कड़े शब्दों में देश का रुख स्पष्ट किया। हरीश ने कहा, ''पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, जो 20 से अधिक संयुक्त राष्ट्र-सूचीबद्ध आतंकवादी संगठनों को पनाह देता है और सीमा पार आतंकवाद का समर्थन प्रदान करता है।

हरीश ने कहा, ''यह एक बड़ी विडंबना है पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे होने के लिए खुद की पीठ थपथपाता है। भारत जैश-ए-मोहम्मद और हरकत उल मुजाहिदीन जैसे कई अन्य आतंकवादी संगठनों के जरिए, इस देश द्वारा किए गए आतंकवादी कृत्यों का शिकार रहा है।'' हरीश ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद का कोई भी रूप, प्रकार और उद्देश्य चाहे जो भी हो, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, ''कोई भी राजनीतिक शिकायत निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किए गए आतंकवाद को उचित नहीं ठहरा सकती।

गुजरात नगर निकाय चुनावों में बीजेपी के सामने कोई चैलेंज नहीं

अहमदाबाद.

मंगलवार को गुजरात में डिक्लेयर हुए स्थानीय चुनावों के परिणामों में भाजपा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गुजरात में उसके मुकाबले कोई नहीं टिक सकता। लेकिन सोशल मीडिया पर ये नैरेटिव बनाने की कोशिश की गयी कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में मिली करारी हार के बावजूद इन चुनावों में गुजरात में भाजपा के सामने कड़ा चैलेन्ज पेश किया है। जबकि हकीकत ये है कि इन स्थानीय चुनावों में भाजपा को चैलेन्ज देना तो दूर, आम आदमी पार्टी कांग्रेस तक का मुकाबला नहीं कर पायी और देवभूमि द्वारका जिले के सलाया नगरपालिका में कांग्रेस से चुनाव हार गई। 16 फरवरी को राज्य में हुए सामान्य और उपचुनावों में एक मात्र सलाया ही वो नगरपालिका रही जहां आम आदमी डबल डिजिट में पहुंच पाई। अब जरा 28 सीटों वाली सलाया का गणित भी समझ लीजिये। सलाया की कुल आबादी की 90% से ज्यादा मुस्लिम है। भाजपा ने यहां महज 12 उम्मीदवार ही मैदान में उतारे थे। ऐसी चर्चा रही है कि बीजेपी यहां चुनाव लड़ना ही नहीं चाहती थी क्योंकि, पिछले 2 सालों में राज्य सरकार द्वारा द्वारका जिले में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माणों के डिमोलिशन के चलते सलाया में उसे वोट मिलने की उम्मीद ना के बराबर थी। पिछले दिनों द्वारका के कई निर्जन टापुओं पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इन अवैध दरगाहों का आर्थिक संचालन भी सलाया से ही होता था। बीजेपी सिर्फ नाम के लिए यहां लड़ रही थी। असली मुकाबला तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में ही था। मुसलमानों ने एक बार आम आदमी पार्टी को गच्चा दे दिया और 28 में से 15 सीटें कांग्रेस को जितवा दी। आम आदमी पार्टी को 13 से ही संतोष करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि यही ट्रेंड 2024 लोकसभा चुनावों में भरुच की सीट पर भी देखने को मिला था जब वहां के मुसलमानों ने नोटा में करीब 25000 वोट डाल दिए पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को वोट करने उतनी संख्या में नहीं निकले जिसकी उम्मीद थी। जबकि तब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे थे।